हल प्रश्न-पत्र	सी.बी.एस.ई. 2023 कक्षा–XII Delhi/Outside Delhi	हिन्दी (आधार) Hindi (Core)

Time : 3 Hours **Max. Marks : 80**

सामान्य निर्देश—

निम्नलिखित निर्देशों को बहुत सावधानी से पढ़िए और उनका पालन कीजिए।

(i) इस प्रश्न-पत्र में **दो** खंड हैं—खंड–'अ' और 'ब' कुल प्रश्न 13 है।

(ii) **खंड–'अ'** में 45 बहुविकल्पी/वस्तुपरक उपप्रश्न पूछे गए हैं, जिनमें से केवल 40 उपप्रश्नों के उत्तर देने हैं।

(iii) **खंड–'ब'** में वर्णनात्मक प्रश्न पूछे गए हैं। प्रश्नों के उचित आंतरिक विकल्प दिए गए हैं।

(iv) प्रश्नों के उत्तर दिए गए निर्देशों का पालन करते हुए दीजिए।

(v) दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर देना अनिवार्य है।

(vi) यथासंभव दोनों खंडों के प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Delhi Set-I **2/5/1**

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

$10 \times 1 = 10$

सनातन काल से ही भारत में शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक विकास के लिए योग द्वारा शरीर, मन और मस्तिष्क को पुष्ट किए जाने का उल्लेख मिलता है। इसलिए लोग नीरोग और दीर्घजीवी होते थे।

भारतीय संस्कृति और दर्शन किसी देश या जाति के लिए नहीं, अपितु समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए है। अतः भारतीय संस्कृति को सच्चे अर्थ में मानवता की संस्कृति कहा जा सकता है। योग हमें वैज्ञानिकता के साथ समग्र जीवन-शैली के प्रति जागरूक करता है, जिससे जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण उत्पन्न होता है। साथ ही, इससे न केवल शांतिप्रिय जीवन पद्धति को बढ़ावा मिलता है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण और प्रकृति के साथ मानवतापूर्ण संबंध स्थापित करने का संदेश भी प्राप्त होता है। भारत ने योग को हमेशा से सीमा, संस्कृति और भाषा से ऊपर रखा है। इसे यदि सही तरीके से समझा जाए और नियमित अभ्यास किया जाए, तो कई समस्याओं का समाधान निकाला जा सकता है। 'योग' शब्द की उत्पत्ति संस्कृत के 'युज्' शब्द से हुई है, जिसका तात्पर्य जोड़ना एवं एकीकरण करने से है। आध्यात्मिक स्तर पर जुड़ने का अर्थ है, आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलना और व्यावहारिक स्तर पर योग को शरीर, मन और भावनाओं को संतुलित करने तथा सामंजस्य बनाए रखने का एक साधन माना जाता है।

कोरोना काल में न केवल भारत, बल्कि वैश्विक स्तर पर सभी ने योग की महत्ता को देखा और जाना कि योग तनाव घटाता है, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है। यह प्राचीन विद्या है और जीवन को निरोगी रखने की एक दिव्य विद्या है। कोरोना काल में हम सभी ने अनुभव किया है कि योग हमें भयमुक्त, भाव में जीना सिखाता है। योग स्वस्थ्य और सुखी रहने के लिए अद्‌भुत प्रभावी विधि है, इसलिए घर-घर, हर घट, हर घाट पर योग होना चाहिए। योग सदाबहार है, रामबाण है, योग संजीवनी है। योग से तन स्वस्थ और मन विकार-मुक्त होता है। हम योग को एक टोल फ्री नम्बर की तरह उपयोग कर सकते हैं। जिस प्रकार टोल फ्री नम्बर को कोई

भी, कहीं से, कभी भी डायल कर सकता है, उसी प्रकार योग भी है। जब तन-मन के लिए सच्चे मन से जागिए, तभी योग साकार हो जाता है। योग के माध्यम से हम जितने गहरे उतरेंगे, उतने शांत होंगे और पाएँगे कि अशांत करने वाले सारे तत्वों की धीरे-धीरे पहचान हो रही है और घने अंधेरे की जगह प्रकाया ले रहा है तथा जीवन निरंतर आनंदमय हो रहा है। समस्या शारीरिक हो या फिर पर्यावरण की, इनका समाधान है योग। आज बढ़ते प्रदूषण का समाधान केवल प्रकृतिमय जीवन पद्धति और सतत् तथा सुरक्षित विकास में निहित है। यह संदेश योग के माध्यम से जीवन में आता है। अत: योग को आत्मसात् कर हम स्वस्थ्य प्रकृतिमय जीवन जी सकते हैं।

(i) भारतीय संस्कृति को मानवता की संस्कृति कहे जाने का क्या आधार है? **1**

(a) समस्त मानव जाति को आश्रय देने की भावना
(b) संसार की सबसे प्राचीन संस्कृति होना
(c) समस्त मानव जाति के प्रति कल्याण की भावना
(d) समस्त मानव जाति को योग की शिक्षा देना

(ii) आध्यात्मिक स्तर पर योग साधन है— **1**

(a) आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन का
(b) आत्मा का शरीर और मन से मिलन का
(c) आत्मा का मन और मस्तिष्क से मिलन का
(d) आत्मा का व्यक्ति और समाज से मिलन का

(iii) कोरोना में लोगों को किसके महत्त्व का ज्ञान हुआ? **1**

(a) अच्छे स्वास्थ्य का
(b) योग के महत्त्व का
(c) चिकित्सकों का
(d) पेड़-पौधों का

(iv) योग को संजीवनी क्यों कहा गया है? **1**

(a) विश्व में भारत की पहचान बनाने के कारण
(b) संसार की प्राचीनतम विद्या होने के कारण
(c) ऋषि-मुनियों द्वारा महत्त्व दिए जाने के कारण
(d) शरीर को स्वस्थ बनाने के महत्त्व के कारण

(v) टोल फ्री नंबर से क्या अभिप्राय है? **1**

(a) संचार-सेवा के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर
(b) मनोरंजन के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर
(c) खरीददारी के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर
(d) शिकायत दर्ज कराने के लिए उपलब्ध नि:शुल्क फोन नंबर

(vi) योग और टोल फ्री नंबर में क्या समानता नहीं है। **1**

(a) दोनों का लाभ सबके द्वारा प्राप्त किया जा रहा है।
(b) दोनों का लाभ कभी भी प्राप्त किया जा सकता है।
(c) दोनों का लाभ कोई भी प्राप्त किया जा सकता है।
(d) दोनों का लाभ कहीं भी प्राप्त किया जा सकता है।

(vii) गद्यांश के आधार पर प्राचीनकाल में लोगों के निरोग और दीर्घजीवी होने का क्या कारण था? **1**

(a) शुद्ध सात्विक भोजन ग्रहण करना
(b) शुद्ध प्राकृतिक वातावरण का होना
(c) खूब शारीरिक परिश्रम करना
(d) योग को जीवन का प्रमुख अंग बनाना

(viii) निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— **1**

(क) योग तनाव घटाता है।
(ख) योग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है।
(ग) योग सभी समस्याओं का समाधान है।
ऊपर लिखित कथनों में से कौन सा/कौन से सही है/ हैं?

(a) केवल (क)
(b) केवल (ग)
(c) (क) और (ख)
(d) (ख) और (ग)

(ix) योग शरीर को स्वस्थ रखने के साथ-साथ प्रेरणा भी देता है— **1**

(a) सादा जीवन उच्च विचार रखने का
(b) समस्त विश्व को परस्पर जोड़ने का
(c) समस्त मानव मात्र के कल्याण का
(d) प्रकृतिमय जीवन-पद्धति अपनाने का

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE ®

(x) निम्नलिखित कथन, कारण ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— 1

कथन (A) : घर-घर, हर घर, हर घाट पर योग होना चाहिए।

कारण (R) : योग से तन स्वस्थ और मन विकार -मुक्त होता है।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

2. निम्नलिखित काव्यांश में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— $10 \times 1 = 10$

काव्यांश—एक

प्रतीक्षा की
बहुत जोही बाट
जेठ बीता, हुई वर्षा नहीं, नभ यों रहा खल्वाट
आज है आषाढ़ वदि षष्ठी
उठा था ज़ोर का तूफ़ान
उसके बाद
सघन काली घन घटा से
हो रहा आच्छन्न यह आकाश
आज होगी, सजनि, वर्षा-हो रहा विश्वास
हो रही है अवनि पुलकित, ले रही नि:श्वास
किंतु अपने देश में तो
सुमुखि, वर्षा हुई होगी एक क्या, कै बार
गा रहे होंगे मुदित हो लोग खूब मलार
भर गई होगी अरे वह वाग्मती की धार
उगे होंगे पोखरों में कुमुद पद्म मखान
आँख मूँदे कर रहा में ध्यान
लिखूँ क्या प्रेयसि, यहाँ का हाल
सामने ही बह रही भागीरथी, बस यही है कल्याण
जिस किसी भाँति गर्मी से बच्चे हैं प्राण
आज उमड़ी घन घटा को देख
मन यही करता कि मैं भी, प्रियतमे, उसका करूँ आह्वान
—कालिदास समान
सामने सरपट पड़ा मैदान
है न हरियाली किसी भी ओर
तृण-लता तरुहीन
नग्न प्रांतर देख
उठ रहा सिर में बढ़ा ही दर्द
हरा धुँधला या कि नीला

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

आ रहा चश्मा न कोई काम
किन्तु मुझको हो रहा विश्वास
यहाँ भी बादल बरसने जा रहा है आज
अब न सिर में उठेगा! फिर दर्द
गंगा नहाते वक़्त
आया ख्याल
हिमालय में गल रही है बर्फ:
आज होगा ग्रीष्म ऋतु का अंत

(i) 'आज वर्षा होगी' कवि के इस अति विश्वास का आधार क्या है? **1**

(a) जेठ मास का समान्त होना **(b)** आषाढ़ मास का आगमन
(c) धरती का प्रसन्न होना **(d)** आकाश में काले बादलों का घिर आना

(ii) 'उठ रहा सिर में बड़ा ही दर्द' –पंक्ति के संदर्भ में कवि के सिर में उठने वाले दर्द का कारण क्या है? **1**

(a) उसके स्वास्थ्य का ठीक न होना **(b)** समय पर वर्षा न होना
(c) हरियाली विहीन प्रांतर का होना **(d)** भागीरथी में पानी कम होना

(iii) 'हो रहा आच्छन्न यह आकाश'–पंक्ति में 'आच्छन्न' शब्द का अर्थ है– **1**

(a) दबा हुआ **(b)** ढका हुआ
(c) फैला हुआ **(d)** बिखरा हुआ

(iv) शहरी मैदान को कवि ने 'नग्न' क्यों कहा है? **1**

(a) तृण विहीन होने के कारण **(b)** लता विहीन होने के कारण
(c) तरुहीन होने के कारण **(d)** वनस्पतिहीन होने के कारण

(v) 'हो रही अवनि पुलकित' ले रही नि:श्वास' – काव्य पंक्ति में कौन-सा अलंकार है? **1**

(a) अनुप्रास **(b)** रूपक
(c) यमक **(d)** मानवीकरण

अथवा

काव्यांश–दो

मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता
तो बस्ती-बस्ती में फिरता रहता
सुंदर नद-नालों का यार होता
मस्ती में अपनी झूमता रहता। मैं भी अगर .....
आदमी का गुण मुझ में न होता
ईर्ष्या की आग में न जलता होगा
स्वार्थ के युद्ध में न मरता-मारता
बंब-मिसाइल की वर्षा न करता। मैं भी अगर .....
आँख में दौलत का काजल न पुतला
शान के लिए पराया माल न हड़पता
हर मानव मेरा हित-बंदु होता
रंग-रूप पर अपना गर्व न करता। मैं भी अगर .....

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

तब सारा जग मेरा अपना होता
पासपोर्ट-वीज़ा कोई न खोजता
स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता
विश्व-भर में मेरा अपना राज्य होता। मैं भी अगर .....
प्यार के गीत जन-जन को सुनाता
आवाज़ से अपनी सब को लुभाता
मानवता की वेदी पर सिर झुकाता
सागर-उर्मिल का झूला झुलाता
मैं भी अगर एक छोटा पंछी होता।

(i) पंछी के रूप में कवि की क्या अभिलाषा है? **1**

(a) समस्त विश्व पर राज्य करने की **(b)** समस्त विश्व पर भ्रमण करने की
(c) समस्त विश्व में प्रेम-प्रसार करने की **(d)** समस्त वन-प्रदेश में स्वतंत्र घूमने की

(ii) 'आदमी का गुण मुझमें होता'—पंक्ति में निहितार्थ 'गुण' से कवि का अभिप्राय है **1**

(a) आदमी में विद्यमान अवगुण **(b)** आदमी में विद्यमान अच्छाइयाँ
(c) आदमी में विद्यमान मानवता की भावना **(d)** आदमी में विद्यमान परोपकार की भावना

(iii) प्रस्तुत काव्यांश में कवि समर्थक है— **1**

(a) भ्रमण, हिंसा, भ्रष्टाचार और अहंकार का
(b) भ्रमण, अहिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का
(c) शांति, हिंसा, ईमानदारी और शानो-शौकत का
(d) शांति, अहिंसा, ईमानदारी और विश्व-बंधुत्व का

(iv) 'स्वच्छन्द वन-वन में घूमता होता' पंक्ति में आए 'स्वच्छन्द' शब्द का पर्यायवाची नहीं है— **1**

(a) आज़ाद **(b)** निरंकुश
(c) मुक्त **(d)** नियंत्रित

(v) 'सागर-उर्मिल का झूला झुलाता है' पंक्ति के रेखांकित अंश में कौन-सा अलंकार है? **1**

(a) रूपक **(b)** उत्प्रेक्षा
(c) मानवीकरण **(d)** अतिश्योक्ति

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों का चयन करके लिखिए— **5 × 1 = 5**

(i) नेट साउंड या नेट कहते हैं— **1**

(a) घटना स्थल से प्रत्यक्षदर्शियों की आवाज़ को
(b) शूट करते समय खुद-ब-खुद रिकार्ड होने वाली आवाज़ को
(c) ख़बरों को प्रभावशाली बनाने के लिए कृत्रिम आवाज़ को
(d) नेट के माध्यम से आने वाली आवाज़ को

(ii) तथ्यों या सूचनाओं को उनके घटते हुए महत्त्वपूर्ण क्रम में लिखना, कहलाता है— **1**

(a) उल्टा पिरामिड शैली **(b)** सीधा पिरामिड शैली
(c) कथात्मक शैली **(d)** वर्णनात्मक शैली

(iii) ख़बर की पुष्टि करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को कहते हैं— **1**

(a) एंकर-पैकेज **(b)** फोन-इन
(c) लावइ **(d)** एंकर-बाइट

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

(iv) किसी समाचार संगठन के लिए निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार कहलाता है— 1

(a) पूर्णकालिक पत्रकार (b) अंशकालिक पत्रकार

(c) स्वतंत्र पत्रकार (d) फ्रीलांसर पत्रकार

(v) समाचार के मुखड़े में खबर लिखी जाने का सही ककार क्रम है— 1

(a) क्या, कौन, कब, कहाँ (b) क्या, कौन, कब, क्यों

(c) कौन, क्यों, क्या, कैसे (d) क्या, कहाँ, कब, कैसे

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपुयक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

5×1=5

झूमने लगे फल,
रस अलौकिक,
अमृत धाराएँ फूटती
रोपाई क्षण की
कटाई अनंतता की
लुटते रहने से जरा भी नहीं कम होती
रस का अक्षय पात्र सदा का
छोटा मेरा खेत चौकोना

(i) साहित्यिक कृति से जो अलौकिक अमृत-धारा फूटी, वह किसका परिणाम है? 1

(a) कवि की कल्पना का (b) किसान की मेहनत का

(c) क्षण में होने वाली रोपाई का (d) क्षण में होने वाली कटाई का

(ii) 'कटाई अनंतता की' के माध्यम से कवि साहित्य की किस विशेषता की ओर संकेत करना चाहता है?

(a) साहित्य कालजयी होता है। (b) साहित्य समाज-सापेक्ष होता है।

(c) साहित्य समाज का दर्पण होता है। (d) साहित्य अनंतता का भंडार होता है।

(iii) रचना कर्म की दृष्टि से साहित्य को 'रस का अक्षय पात्र' क्यों कहा गया है? 1

(a) साहित्य जगत में कवि की पहचान अनंतकाल तक बनी रहने के कारण

(b) साहित्य से प्राप्त आनंद के अनंतकाल तक बने रहने के कारण

(c) साहित्य और समाज का घनिष्ठ संबंध होने के कारण

(d) साहित्य मनोरंजन का प्रमुख साधन होने के कारण

(iv) कवि कर्म की दृष्टि से 'रोपाई' का अर्थ है 1

(a) काव्यानंद की अनुभूति (b) फ़सल की कटाई करना

(c) बीजों की बुवाई करना (d) अनुभूति को शब्द-बद्ध करना

(v) छोटा खेत किसका प्रतीकार्थ है?

(a) फ़सल रोपे जाने वाले खेत का

(b) आकार में छोटे खेत का

(c) कागज़ के उस पन्ने का जिस पर रचना शब्द-बद्ध होती है।

(d) कागज़ के उस पन्ने का जो पुस्तक में जिल्द-बद्ध रहता है।

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपुयक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

5×1=5

पिता का उस पर अगाध प्रेम होने के कारण स्वभावत: ईर्ष्यालु और संपत्ति की रक्षा में सतर्क विमाता ने उनके मरणांतक रोग का समाचार तब भेजा, जब वह मृत्यु की सूचना भी बन चुका था। रोने-पीटने के अपशकुन से बचने के लिए सास ने भी उसे कुछ न बताया। बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे, यही कहकर और पहना-उढ़ाकर सास ने उसे विदा कर दिया। इस अप्रत्याशित अनुग्रह ने उसके पैरों में जो पंख लगा दिए थे, वे गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ गए। 'हाय लछमिन अब आई' की

अस्पष्ट पुनरावृत्तियाँ और स्पष्ट सहानुभूतिपूर्ण दृष्टियाँ उसे घर तक ठेल ले गई। पर वहाँ न पिता का चिह्न शेष था, न विमाता के व्यवहार में शिष्टाचार का लेश था। दु:ख से शिथिल और अपमान से जलती हुई वह उस घर में पानी भी बिना पिए उल्टे पैरों ससुराल लौट पड़ी। सास को खरी-खोटी सुनाकर उसने विमाता पर आया हुआ क्रोध शांत किया और पति के ऊपर गहने फेंक-फेंककर उसने पिता के चिर विछोह की मर्मव्यथा व्यक्त की।

(i) पिता की मृत्यु का समाचार भक्तिन के पास विमाता द्वारा देरी से भेजने का कारण था— **1**

(a) उसे पसंद न करना **(b)** उससे ईर्ष्या करना

(c) संपत्ति की रक्षा करना **(d)** कोई साधन न होना।

(ii) भक्तिन ने सास के किस व्यवहार को 'अप्रत्याशित अनुग्रह' कहा है? **1**

(a) बिना कहे ही पिता के घर जाने के लिए कहना

(b) बढ़िया-बढ़िया वस्त्र पहनने के लिए देना

(c) बढ़िया-बढ़िया गहने पहनने के लिए देना

(d) पिता के घर जाने के लिए चना-चबेना देना

(iii) 'पैंरो के पंखों का गाँव की सीमा में पहुँचते ही झड़ जाना'— का आशय है— **1**

(a) थकावट का दूर हो जाना **(b)** खुशियों का समाप्त हो जाना

(c) खुशियों का दु:ख में बदल जाना **(d)** पैरों की गति का मंद पड़ जाना

(iv) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1**

कथन (A) : लक्ष्मी पिता के घर में पानी भी बिना पिए उल्टे पैरों ससुराल लौट पड़ी।

कारण (R) : वह पिता के चिर-वियोग और विमाता के व्यवहार से दु:खी थी।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

(v) गद्यांश के आधार पर निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए— **1**

(क) गाँव की सीमा में पहुँचते ही लक्ष्मी के पैरों में पंख लग गए।

(ख) लक्ष्मी को देखते ही गाँव वाले उसे सहानुभूतिपूर्ण दृष्टि से देखने लगे।

(ग) लक्ष्मी ने विमाता पर आया क्रोध पति को खरी-खोटी सुनाकर शांत किया।

उपरिलिखित कथनों में से कौन सा/कौन-से सही है/ हैं?

(a) केवल (क) **(b)** केवल (ख)

(c) (क) और (ग) **(d)** (ख) और (ग)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **10×1=10**

(i) 'सिल्वर वैडिंग' कहानी की विषय-वस्तु आधारित है—

(a) समाज में बदलते जीवन-मूल्यों पर **(b)** समाज में बदलते पारिवारिक-मूल्यों पर

(c) समाज में बदलते सामाजिक-मूल्यों पर **(d)** समाज में बदलते सांस्कृतिक-मूल्यों पर

(ii) यशोधर बाबू के मातहत उन्हें क्यों पंसद नहीं करते थे? **1**

(a) वे अपना काम अपने मातहतों से करवाते थे।

(b) उनके कारण उन्हें दफ़्तर में देर तक बैठना पड़ता था।

(c) वे जूनियर के साथ कठोर व्यवहार करते थे।

(d) मातहतों का हँसी-मज़ाक उन्हें बिल्कुल पसंद नहीं था।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(iii) दफ़्तर से बाहर निकलते समय यशोधर बाबू किशन दा द्वारा सिखाई गई कौन-सी परंपरा का पालन अवश्य करते ? **1**

(a) जूनियरों के साथ चाय-कॉफी पीना

(b) जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना

(c) अपनी टेबल का सारा काम खत्म करना

(d) जूनियरों के दिन-भर के काम का लेखा-जोखा लेना

(iv) 'मैं पढ़ने जाऊँगा' आनंदा की अपने पिता से यह बात कहने की हिम्मत क्यों नहीं होती थी ? **1**

(a) पिता के गुस्सैल स्वभाव के कारण **(b)** पिता के बीमार रहने के कारण

(c) पिता की पढाई में रुचि न होने के कारण **(d)** पिता द्वारा पढ़ाई-खर्च वहन करने की असमर्थता के कारण

(v) दीवाली बीतते ही गाँव में कैसी चहल-पहल शुरू हो जाती थी ? **1**

(a) खेतों में फ़सलों की बुवाई शुरू होने लगती थी।

(b) खेतों में फ़सलों की कटाई शुरू होने लगती थी।

(c) ईख पेरने के लिए कोल्हू चलने लगते थे।

(d) फ़सलों को बेचने का काम शुरू होने लगता था।

(vi) आनंदा को स्कूल में फिर से नाम लिखवाने की जरूरत क्यों नहीं पड़ी ? **1**

(a) क्योंकि दत्ताजी राव ने उसे स्कूल पढ़ने के लिए भेजा था।

(b) क्योंकि उसका नाम रजिस्टर से कटा नहीं था।

(c) क्योंकि वह गाँव के प्रतिष्ठित परिवार से था।

(d) क्योंकि उसके पिता के मास्टर जी से घनिष्ठ संबंध थे।

(vii) आनंदा ने पाठशाला नहीं जाने की बात क्यों सोची ? **1**

(a) लड़कों द्वारा खिल्ली उड़ाए जाने के कारण **(b)** मास्टर जी के कठोर व्यवहार के कारण

(c) स्कूल की वर्दी न होने के कारण **(d)** कॉपी-किताब न होने के कारण

(viii) मुअनजो-दड़ो सबसे बड़ा शहर है— **1**

(a) लौह-काल के शहरों में **(b)** ताम्र-काल के शहरों में

(c) स्वर्ण-काल के शहरों में **(d)** पाषाण-काल के शहरों में

(ix) मुअनजो-दड़ो की गलियों में टहलते हुए लेखक को किस जगह की याद आई ? **1**

(a) राजस्थान के गाँव कुलधरा की **(b)** हरियाणा के गाँव कुलधरा की

(c) गुजरात के गाँव कुलधरा की **(d)** पंजाब के गाँव कुलधरा की

(x) निम्नलिखित कथन, कारण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उसके बाद दिए गए विकल्पों में से कोई एक सही विकल्प चुनकर लिखिए— **1**

कथन (A) : सिंधु घाटी सभ्यता लघुता में भी महत्ता का अनुभव कराने वाली संस्कृति थी।

कारण (R) : (क) लो-प्रोफाइल सभ्यता थी।

(ख) यहाँ के मूर्तिशिल्प, औज़ार छोटे हैं।

(ग) यहाँ मिले नरेश के सिर से छोटे सिरपेंच की कल्पना भी नहीं की जा सकती।

(a) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों सही हैं तथा कारण कथन की सही व्याख्या करता है।

(b) कथन (A) गलत है लेकिन कारण (R) सही है।

(c) कथन (A) तथा कारण (R) दोनों गलत हैं।

(d) कथन (A) सही है लेकिन कारण (R) उसकी गलत व्याख्या करता है।

OSWAAL BOOKS® LEARNING MADE SIMPLE

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए— 1×6=6

(क) सर्दी की एक कँपकँपाती रात

(ख) जब पिताजी की पदोन्नति हुई

(ग) दिनोंदिन गिरता भू-जल स्तर

(घ) स्वप्न में प्रिय अभिनेता/अभिनेत्री से भेंट

8. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(क) कहानी और नाटक में पाई जाने वाली समानताओं और असमानताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) 'रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा और रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी'—कैसे? तर्क सहित उत्तर दीजिए।

(ग) कथावस्तु का नाट्य रूपांतरण करते समय दृश्य किस आधार पर विभाजित किए जाते हैं?

9. निम्नलिखित मे से किन्दीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में दीजिए— 2×4=8

(क) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों में से सबसे पुराना माध्यम कौन-सा है? उसकी विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

(ख) पत्रकारीय लेखन किसे कहते हैं? पत्रकारों के विभिन्न प्रकारों का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

(ग) समाचार लेखन की शैली का विस्तार से वर्णन करते हुए लिखिए कि यह शैली समाचार-लेखन की मानक शैली कैसे बनी।

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(क) 'आत्मपरिचय' कविता के आधार पर लिखिए कि व्यक्ति का समाज के साथ क्या संबंध है और कवि का संसार के साथ कैसा संबंध है?

(ख) कविता की उड़ान को चिड़िया के समान बताते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि कविता की उड़ान चिड़िया की समझ से परे है? 'कविता के बहाने' के संदर्भ में लिखिए।

(ग) तुलसीदास के 'कवितावली' के छंदों में अपने समय के लोगों की जीविका-विहीनता का चित्रण किस प्रकार किया है?

11. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4

(क) 'बुगलों के पंख' कविता से उद्धृत पंक्ति 'हौले-हौले जाती मुझे बाँध निज माया से' — में कवि किस माया की बात कर रहा है?

(ख) 'बादल राग' कविता में कवि ने धनिकों के भवनों को 'आतंक-भवन' क्यों कहा है?

(ग) 'उषा' कविता के आधार पर लिखिए कि काली सिल पर लाल केसर मलने से किस प्रकार का दृश्य उपस्थित होता है? यह तुलना कवि ने किस आधार पर की है?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6

(क) 'काले मेघा दल के दल उमड़ते हैं, पानी झमाझम बरसता है, पर गगरी फूटी की फूट रह जाती है, बैल पियासे के पियासे रह जाते हैं।' 'काले मेघा पानी दे' से ली गई प्रस्तुत पंक्ति का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पितृसत्तात्मक-मान्यताओं और छल-छद्म भरे समाज में अपने और अपनी बेटियों के हक की लड़ाई ने भक्तिन के जीवन की दिशा पूरी तरह बदल दी।' भक्तिन पाठ के आधार पर उदाहरण सहित सिद्ध कीजिए।

(ग) बाज़ार का जादू किन लोगों पर अधिक असर करता है? इसके चढ़ने-उतरने पर क्या स्थिति होती है?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4

(क) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लुट्टन पहलवान की अंतिम इच्छा लिखिए।

(ख) 'शिरीष के फूल' निबंध में लेखक ने जीवन के किस शाश्वत सत्य का उल्लेख किया है?

(ग) महादेवी वर्मा अपने और भक्तिन के संबंधों को मालिक और नौकरानी का संबंध क्यों नहीं मानती? 'भक्तिन' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

Delhi Set-II **2/5/2**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-I में हैं।

खण्ड–'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों का चयन करके लिखिए– **5×1=5**

(i) मुद्रित माध्यमों की सीमा या कमज़ोरी के विषय में इनमें से कौन-सा कथन असत्य है? **1**

(a) इसे आप धीरे-धीरे आराम से पढ़ सकते है।

(b) निरक्षरों के लिए मुद्रित माध्यम किसी काम के नहीं हैं।

(c) इसमें समाचारों को प्रकाशन के लिए स्वीकार करके की समय-सीमा होती है।

(d) इसमें अन्य संचार माध्यमों की तरह तुरंत घटी घटनाओं को नहीं प्रकाशित कर सकते।

(ii) 'वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय जाता है– **1**

(a) रीडिफ डॉट कॉम **(b)** इंडिया इंफोलाइन

(c) सीफी डॉट कॉम **(d)** तहलका डॉट कॉम

(iii) तथ्यों या सूचनाओं को उनके घटते हुए महत्त्वपूर्ण क्रम में लिखना, कहलाता है– **1**

(a) उल्टा पिरामिड शैली **(b)** सीधा पिरामिड शैली

(c) कथात्मक शैली **(d)** वर्णनात्मक शैली

(iv) खबर की पुष्टि करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को कहते हैं– **1**

(a) एंकर-पैकेज **(b)** फोन-इन

(c) लाइव **(d)** एंकर-बाइट

(v) समाचार के मुखड़े में खबर लिखी जाने का सही ककार क्रम है–

(a) क्या, कौन, कब, कहाँ **(b)** क्या, कौन, कब, क्यों,

(c) कौन, क्यों, क्या, कैसे **(d)** क्या, कहाँ, कब, कैसे

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए– **10×1=10**

(i) यशोधर बाबू के द्वारा दफ्तर से लौटते समय कौन-सा काम नहीं किया जाता था? **1**

(a) रोज बिड़ला मंदिर जाना **(b)** उद्यान में बैठकर प्रभु भजन सुनना

(c) स्वयं ही प्रभु का ध्यान लगाना **(d)** स्वयं ही योगासन करना,

(ii) आनंदा के पिता के द्वारा स्वयं खेतों में काम न कर अपने बेटे से काम करवाने से, उसके व्यक्तित्व की किस विशेषता का पता चलता है? **1**

(a) वह अपने बेटे को आत्मनिर्भर बनाना चाहता था। **(b)** वह अपने बेटे को परिश्रमी बनाना चाहता था।

(c) वह आलसी और काम चोर था **(d)** वह अपने कर्त्तव्य का निर्वाह करना जानता था।

(iii) मुअनजो-दड़ो में खेती-बाड़ी के लिए प्रयोग में लाए जाने वाले औज़ार बने होते थे– **1**

(a) पत्थर और लौहे के **(b)** पत्थर और ताँबे के

(c) पत्थर और काँसे के **(d)** पत्थर और लकड़ी के

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए– **2×3=6**

(क) 'लक्ष्मण मूर्च्छा' और राम का विलाप' प्रसंग ईश्वरीय राम का पूरी तरह से मानवीकरण है। सिद्ध कीजिए।

(ख) कविता की उड़ान को फूलों के समान बताते हुए भी कवि ने यह क्यों कहा है कि कविता का खिलना फूल क्या जाने? 'कविता के बहाने' के संदर्भ में लिखिए।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में बताइए कि शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति को पर्दे पर दिखाने के पीछे मीडिया कर्मियों का क्या उद्देश्य था?

11. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4

(क) बात और शरारती बच्चे की बीच की समानता 'बात सीधी थी पर' शीर्षक कविता के संदर्भ में लिखिए।

(ख) शरदकालीन सुबह की तुलना किससे और किस आधार पर की गई है? 'पतंग' कविता के आधार पर लिखिए।

(ग) 'आत्मपरिचय' शीर्षक कविता में कवि की संग्रह के प्रति क्या धारणा है? स्पष्ट कीजिए।

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6

(क) 'शिरीष के फूल' पाठ में लेखक ने शिरीष, अवधूत और गाँधी जी को एक ही श्रेणी में क्यों रखा है? पाठ के अनुसार इस समानता का आधार स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर राज पहलवान होने पर भी लुट्टन की दुर्गति का कारण क्या था? लुट्टन के जीवन में आया परिवर्तन किस ओर संकेत करता है?

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में बारिश करवाने के लिए कौन सा अंतिम उपाय किया जाता है? लेखक इसके लिए क्यों तैयार नहीं होता और जीजी किन तर्कों से इसे सही ठहराती हैं?

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4

(क) 'बाज़ार दर्शन' पाठ के आधार पर लिखिए कि बाज़ार की कृतार्थता किसमें है? इसे कृतार्थता कैसे लोग प्रदान करते हैं?

(ख) कारागार के नाम से भी डरने वाली भक्तिन लाट साहब से लड़ने के लिए क्यों तैयार हो गई थी? 'भक्तिन' पाठ के संदर्भ में लिखिए।

(ग) 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर लिखिए कि काल के देवता की मार से बचने का क्या उपाय है?

Delhi Set-III 2/5/3

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Delhi Set-I में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों को चयन करके लिखिए— 5×1=5

(i) मुद्रित माध्यमों की विशेषता के संबंध में इनमें से कौन-सा कथन असत्य है?

(a) पाठकों के भाषा, ज्ञान, शैक्षिक-योग्यता का ध्यान रखा जाता है।

(b) यह चिंतन, विचार और विश्लेषण का माध्यम है।

(c) यह लिखित भाषा का विस्तार है।

(d) यह छपे हुए शब्दों का स्थायित्व है।

(ii) संपादन कहलाता है—

(a) प्राप्त खबरों को समाचार-पत्र में प्रकाशित करने योग्य बनाना

(b) प्राप्त खबरों की सत्यता और रोचकता सिद्ध करना

(c) समाचार पत्रों में प्रकाशित करने के लिए खबरों को ढूँढ़ना

(d) समाचार पत्रों में प्रकाशित करने लिए खबरों को एकत्रित करना

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 10×1=10

(i) आनंदा का पिता अपने बेटे से खेतों में काम क्यों करवाता था?

(a) अपने पुत्र को परिश्रमी बनाने के लिए।

(b) खेती-बाड़ी के काम में दक्ष बनाने के लिए।

(c) आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाने के लिए।

(d) अपना जीवन मौज़-मस्ती में व्यतीत करने के लिए।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(ii) यशोधर बाबू ने सरकारी घर में रहते हुए भी किस कारण से रहने के लिए घर नहीं बनवाया? 1

(a) तनख्वाह कम और खर्च ज्यादा होने के कारण

(b) तीन में से एक-न-एक लड़के का सरकारी नौकरी में आने के विश्वास के कारण

(c) मकान बनाने के झंझटों से बचने के कारण

(d) भविष्य के बारे में योजनाबद्ध तरीके से न चलने के कारण

(iii) 'अजायबघर' में प्रदर्शित चीज़ों में औज़ार तो हैं, पर हथियार कोई नहीं है।' इस पंक्ति के माध्यम से लेखक कहना चाहता है कि—

(a) सिंधु घाटी सभ्यता स्वयं अनुशासित सभ्यता थी।

(b) सिंधु घाटी सभ्यता राजा द्वारा अनुशासित सभ्यता थी।

(c) सिंधु घाटी सभ्यता लो-प्रोफाइल सभ्यता थी।

(d) सिंधु घाटी सभ्यता धर्म पोषित सभ्यता थी।

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

10. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता 'प्रकृति की दैनिक परिवर्तनशीलता के संदर्भ में प्राणि-वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने की कोशिश है।' सिद्ध कीजिए।

(ख) 'यह घर, वह घर
सब घर एक कर देने के माने
बच्चा ही जाने।'
'कविता के बहाने' से उद्धृत इन पंक्तियों के संदर्भ में लिखिए कि कवि ने बच्चों की किस विशेषता और अपनी किस असमर्थता का उल्लेख किया है? कविता और बच्चों में क्या समानता है?

(ग) 'बादल राग' कविता के आधार पर बादलों के आगमन से प्रकृति में हुए परिवर्तनों का वर्णन कीजिए।

11. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4

(क) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के आधार पर लिखिए कि मीडिया कर्मी अपने कार्यक्रम का अंत एक खीझ भरी मुस्कुराहट के साथ क्यों करता है?

(ख) 'बात सीधी थी पर' कविता के संदर्भ में लिखिए कि भाषा को चमत्कारी/प्रभावशाली बनाने के लिए कवि क्या-क्या प्रयोग करता है?

(ग) 'बुगलों के पंख' कविता की पंक्ति 'चुराए लिए जाती वे मेरी आँखें' – से कवि का क्या आशय है?

12. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6

(क) 'भक्तिन' पाठ के आधार पर भारतीय ग्रामीण समाज में लड़के-लड़कियों में किए जाने वाले भेद-भाव का वर्णन कीजिए।

(ख) 'बाज़ार दर्शन' पाठ से ली गई पंक्ति—'जहाँ तृष्णा है, बटोर रखने की स्पृहा है, वहाँ उस बल का बीज नहीं है।' – में किस बल की बात कही गई है? इस बल से युक्त और हीन व्यक्ति की विशेषताएँ लिखिए।

(ग) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर लिखिए कि आज़ादी के वर्षों बाद भी लेखक का मन दु:खी क्यों था? उसके मन में किस तरह के प्रश्न उठ रहे थे?

13. पद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4

(क) 'पहलवान की ढोलक' पाठ के आधार पर लिखिए कि महामारी फैलने के बाद गाँव में कैसा दृश्य उपस्थित हो गया था?

(ख) 'शिरीष के फूल' पाठ के संदर्भ गाँधी जी के व्यक्तित्व के लिए प्रयुक्त कोमल और कठोर विशेषणों का आशय स्पष्ट कीजिए।

(ग) भक्तिन की पाक-कला की योग्यता के विषय में लिखिए।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

1. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए—

10 × 1 = 10

राष्ट्रपिता, महात्मा गाँधी सार्वजनिक और निजी स्वच्छता के प्रति चिंतत थे। दक्षिण, अफ्रीका में बिताए दिनों के बाद से ही यह उनके सत्याग्रह अभियान का हिस्सा था। गाँधी जी के लिए, समाज में स्वच्छता के लिए अभियान एक जाति विहीन और स्वथ्य समाज बनाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग था। उन्होंने स्वच्छता को व्यक्तिगत जिम्मेदारी बनाने और इसे अस्पृश्यता को दूर करने की कुंजी मानने के अपने विचार को दोहराते हुए कहा था, "हर कोई अपना स्वयं का सफ़ाई कर्ता है।" गाँधी जी जब दक्षिण अफ्रीका में थे तभी से उन्होंने अपनी साफ़-सफ़ाई का काम स्वयं का सफ़ाई कर्ता है।" गाँधी जी जब दक्षिण अफ्रीका में थे तभी से उन्होंने अपनी साफ़-सफ़ाई का काम स्वयं करना शुरू कर दिया था और भारतीयों को भी सलाह दी थी कि वे अपना शौचालय साफ और सूखा रखें। वे जब भारत लौटे, तो उन्होंने दृढ़ता से भारतीयों के लिए स्वच्छता और उन्हें स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता पर जोर दिया।

गाँधी जी ने कहा था, "स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वपूर्ण है।" हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छता पर गाँधी जी के विचारों से प्रेरणा ली और उनकी जयंती पर 'स्वच्छ भारत अभियान' शुरू किया। यह अभियान एक राष्ट्रीय प्राथमिकता बन गया और प्रधानमंत्री ने प्रत्येक भारतीय से इसमें शामिल होने और अपने आस-पास सफ़ाई रखने का आग्रह किया।

इस राष्ट्रीय आंदोलन में योगदान देने और स्वच्छता की बढ़ती चुनौतियों को दूर करने के लिए, स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय में एक बहु-आयामी कार्यनीति अपनाई और स्वच्छता को अपने नागरिकों के स्वास्थ्य और कल्याण में सुधार लाने के अपने प्रयासों का केन्द्र बिंदु बनाया है। ये पहले अपने कार्यक्रमों के माध्यम से स्वास्थ्य संस्थानों और लोगों में स्वच्छता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता पैदा करती है और अन्य मंत्रालयों के साथ मिलकर इसे समग्रता से कार्यान्वित करती है।

स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय की कालाकल्प पहल में सभी राज्यों और केन्द्रशासित प्रदेशों में केन्द्र सरकार के संस्थानों और सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों में बुनियादी ढाँचे में सुधार, स्वच्छता व स्वास्थकारिता और संक्रमण-नियंत्रण कार्यों में सुधार लाने के उद्देश्य से शुरू की गई थी। स्वास्थ्य सुविधाओं का मूल्यांकन कई मानदंडों के आधार पर किया जाता है, और हर साल प्रत्येक स्तर पर अधिकतम अंक पाने वाले संस्थानों का कायाकल्प पुस्कार प्रदान कर मान्यता दी जाती है।

(i) महात्मा गाँधी की प्रमुख चिंता थी— **1**

(a) स्वच्छता **(b)** सत्याग्रह

(c) जाति-पाँति **(d)** छुआछूत

(ii) प्रधानमंत्री द्वारा 'स्वच्छ भारत अभियान' की शुरूआत कब की गई ? **1**

(a) स्वतंत्रता दिवस से **(b)** गणतंत्र दिवस से

(c) गाँधी जयन्ती से **(d)** सद्भावना दिवस से

(iii) 'अस्पृश्यता' से आप क्या समझते हैं? **1**

(a) जातीय भेदभाव **(b)** वर्गीय भेदभाव

(c) आर्थिक भेदभाव **(d)** सामाजिक भेदभाव

(iv) भारतीयों को स्वच्छता के प्रति शिक्षित करने की आवश्यकता क्यों पड़ी? **1**

(a) स्वच्छता को लेकर सामाजिक भेदभाव के कारण **(b)** भारतीयों द्वारा स्वच्छता के कार्य को हेय मानने के कारण

(c) स्वच्छता स्वयं का कार्य नहीं मानने के कारण **(d)** स्वच्छता के महत्त्व को नहीं समझने के कारण

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE®

(v) 'स्वच्छता स्वतंत्रता से अधिक महत्त्वूर्ण है'—कथन का आशय है— **1**

(a) स्वच्छता स्वतंत्रता का आधार **(b)** स्वच्छता नागरिक से स्वतंत्रता

(c) स्वच्छता सबसे आवश्यक **(d)** स्वच्छता से स्वास्थ्य

(vi) स्वास्थ्य और परिवार-कल्याण मंत्रालय का संबंध है— **1**

(a) छोटे बच्चों के स्वास्थ्य से **(b)** स्वच्छता एवं स्वास्थ्य से

(c) भारत सरकार की योजनाओं से **(d)** अस्पताल तथा कर्मचारियों से

(vii) किसी भी देश में योजना बनाने का उद्देश्य होता है—

(a) अधिकाधिक धन कमाना **(b)** संबंधित व्यक्तियों को लाभ पहुँचाना

(c) देश के नागरिकों तक सुविधा पहुँचाना **(d)** लोगों को योजना के बारे में बताना

(viii) 'कायाकल्प पहल' योजना के अंतर्गत आने वाले कार्यक्रमों में इनमें से क्या सम्मिलित नहीं है? **1**

(a) संक्रमण नियंत्रण कार्यक्रम **(b)** स्वास्थ्य संबंधी कार्यक्रम

(c) स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम **(d)** शिक्षा संबंधी कार्यक्रम

(ix) स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी जागरूकता की आवश्यकता क्यों है?

(a) बीमारियों से बचने के लिए **(b)** जनता को जागरूक करने के लिए

(c) स्वस्थ समाज बनाने के लिए **(d)** देश के विकास के लिए

(x) स्वच्छता को आप किस प्रकार की ज़िम्मेदारी मानते हैं?

(a) सामूहिक **(b)** पारिवारिक

(c) सामाजिक **(d)** व्यक्तिगत

2. निम्नलिखित काव्यांश में से किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपयुक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **10 × 1 = 10**

काव्यांश—एक

अलग नगर के कोलाहल से, अलग पुरी-पुरजन से
कठिन साधना में उद्योगी लगा हुआ तन-मन से।
निज समाधि में निरत, सदा निज कर्मठता में चूर,
वन्यकुसुम-सा खिला कर्ण, जग की आँखों से दूर।
नहीं फूलते कुसुम मात्र राजाओं के उपवन में,
अमित बार खिलते वे पुर से दूर कुञ्ज-कानन में।
समझे कौन रहस्य? प्रकृति का बड़ा अनोखा हाल
गुदड़ी में रखती चुन-चुन कर बड़े कीमती लाल।
जलद-पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है?
युग की अवहेलना शूरमा कब तक सह सकता है?
पाकर समय एक दिन आखिर उठी जवानी जाग,
फूट पड़ी सबके समक्ष पौरुष की पहली आग।
रंगभूमि में अर्जुन था सब समाँ अनोखा बाँधे
बढ़ा भीड़-भीतर से सहसा कर्ण शरासन साधे।
कहता हुआ, 'तालियों से क्या रहा गर्व में फूल?
अर्जुन! तेरा सुयश अभी क्षण में होता है धूल।'
तूने जो जो किया, उसे मैं भी दिखला सकता हूँ,

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

चाहे तो कुछ नई कलाएँ भी सिखला सकता हूँ।
आँख खोलकर देख, कर्ण के हाथों का व्यापार
फूले सस्ता सुयश प्राप्त कर, उस नर को धिक्कार।।

(i) काव्यांश में कठिन साधना में निरत किसे बताया गया है? **1**

(a) कर्ण **(b)** अर्जुन
(c) भीम **(d)** दुर्योधन

(ii) प्रकृति का रहस्य समझ के परे क्यों होता है? **1**

(a) शक्ति और सामर्थ्य से अलग घटना होने से **(b)** प्रकृति में विद्यमान भिन्नताओं से
(c) प्रकृति के रहस्यों से अंजान रहने से **(d)** मनुष्य का अपना सीमित सामर्थ्य होने से

(iii) जलद-पटल में छिपा, किंतु रवि कब तक रह सकता है—पंक्ति का भाव है— **1**

(a) बादल सूर्य को ढक नहीं सकता। **(b)** प्रतिभा को छिपाया नहीं जा सकता।
(c) बादल रूपी चादर सूर्य को ढक लेती है। **(d)** सूर्य शक्ति का प्रतीक है।

(iv) कर्ण ने अर्जुन को क्यों ललकारा होगा? **1**

(a) अपनी धनुर्विद्या दिखानें के लिए **(b)** अपनी योग्यता बताने के लिए
(c) अर्जुन से अपने को श्रेष्ठ सिद्ध करने के लिए **(d)** समाज को अपनी कला दिखाने के लिए

(v) कर्ण किस प्रकार के मनुष्य को धिक्कारता है? **1**

(a) कायर मनुष्य को **(b)** वीरता दिखलाने वाले को
(c) सस्ती लोकप्रियता वाले को **(d)** अपनी प्रशंसा में रत रहने वाले को

अथवा

काव्यांश—दो

हो गया पूर्ण अज्ञातवास,
पांडव लौटे वन से सहास,
पावक में कनक-सदृश तप कर
वीरत्व लिए कुछ और प्रखर
नस-नस में तेज-प्रवाह लिए,
कुछ और नया उत्साह लिए।
सच है, विपत्ति जब आती है
कायर को ही दहलाती है,
शूरमा नहीं विचलित होते,
क्षण एक नहीं धीरज खोते,
विघ्नों को गले लगाते हैं,
काँटों में राह बनाते हैं।
मुख से न कभी उफ! कहते हैं,
संकट का चरण न गहते हैं,
जो आ पड़ता सब सहते है।
उद्योग निरत नित रहते हैं
भूलों का मूल नसाने को
खुद बुढ़ विपत्ति पर छाने को।
है कौन विघ्न ऐसा जग में
टिक सके वीर नर के मग में
खम ठोंक ठेलता है जब नर,

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

पर्वत के जाते पाँव उखड़।
मानव जब ज़ोर लगाता है,
पत्थर पानी न जाता है।

(i) 'अज्ञातवास' का अर्थ है? **1**

(a) वन में बसना **(b)** गाँव में बसना
(c) अंजान स्थान पर रहना **(d)** गुप्त रूप से रहना

(ii) पांडव वन से किस रूप में लौटे थे? **1**

(a) कमज़ोर होकर **(b)** दृढ़ होकर
(c) निर्विकार भाव से **(d)** बदले की भावना से

(iii) विपत्ति में किसे घबराहट होती है? **1**

(a) कायर को **(b)** कमज़ोर को
(c) साहसी को **(d)** वीर को

(iv) 'पर्वत के जाते पाँव उखड़' – पंक्ति का भाव है **1**

(a) उत्साह का संचार होना **(b)** कठिनाइयों का समाप्त होना
(c) अवरोध का सामने आना **(d)** हिम्मत का समाप्त होना

(v) 'मानव जब ज़ोर लगाता है'–पंक्ति में मनुष्य के किस प्रकार के गुण की ओर संकेत है? **1**

(a) साहस **(b)** शक्ति
(c) परिश्रम **(d)** समर्पण

3. निम्नलिखित में से निर्देशानुसार उचित विकल्पों का चयन करके लिखिए– **5 × 1 = 5**

(i) 'न्यूज़पेग' से आप क्या समझते हैं?

(a) कथात्मक शैली में लेखन **(b)** आलेख की तरह लेखन
(c) केस स्टडी प्रारूप में लेखन **(d)** अन्य खबर से जोड़ कर लेखन

(ii) समाचार पत्रों को सामान्य समाचारों से अलग हटकर विशेष क्षेत्रों के बारे में जानकारी क्यों देनी पड़ती है?

(a) बाज़ार में टिके रहने के लिए **(b)** सभी तरह के विषयों पर लेखन के लिए
(c) पाठकों की रुचियों के लिए **(d)** विज्ञापन प्राप्त करने के लिए

(iii) बीट कवर करने वाले रिपोर्टर को पत्रकारिता जगत में किस नाम से बुलाते हैं? **1**

(a) संवाददाता **(b)** अंशकालिक पत्रकार
(c) पूर्णकालिक पत्रकार **(d)** फ्रीलांसर पत्रकार

(iv) संपादकीय पृष्ठ पर प्रकाशित होने वाले संपादकीय लेखन को माना जाता है– **1**

(a) संपादक की आवाज़ **(b)** पत्रकार की आवाज़
(c) अखबार की आवाज़ **(d)** पाठक की आवाज़

(v) फीचर को किस प्रकार का लेखन माना जाता है?

(a) कथात्मक **(b)** आत्मनिष्ठ
(c) वर्णनात्मक **(d)** विवरणात्मक

4. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपुयक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए। **5×1=5**

छोटा मेरा खेत चौकोना
कागज़ का एक पन्ना,
कोई अंधड़ कहीं से आया
क्षण का बीज वहाँ बोया गया।
कल्पना के रसायनों को पी
बीज गल गया नि:शेष;
शब्द के अंकुर फूटे,
पल्लव-पुष्पों से नमित हुआ विशेष।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(i) काव्यांश में प्रयुक्त 'खेत' का अर्थ है—
(a) जमीन (b) कागज़
(c) भाव (d) शब्द

(ii) 'कोई अंधड़ कहीं से आया'—पंक्ति में प्रयुक्त अंधड़ का अर्थ है— 1
(a) तूफ़ान (b) धूल भरी आँधी
(c) भावों की आँधी (d) कठिनाइयाँ

(iii) बीज का अस्तित्व किसके संसर्ग से गल गया? 1
(a) कल्पना (b) धरती
(c) भाव (d) कविता

(iv) भावना रूपी बीजों के गलने से क्या परिणाम मिला? 1
(a) कवि की मेहनत व्यर्थ हो गई (b) धरती पर अंकुर फूट पड़े
(c) कवि पुन: कल्पना करने लगा (d) शब्दों के अंकुर फूट पड़े

(v) 'कल्पना' को रसायन क्यों कहा गया है? 1
(a) सृजन को सुन्दर बनाने में सहायक (b) सृजन को सरल बनाने में महत्त्वपूर्ण
(c) सृजन के विकास में सहायक तत्त्व (d) सृजन का मूलभूत तत्त्व

5. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के सर्वाधिक उपुयक्त उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **5×1=5**

बाज़ार में एक जादू है। वह जादू आँख की राह काम करता है। वह रूप का जादू है पर जैसे चुंबक का जादू लोहे पर ही चलता है, वैसे ही इस जादू की भी मर्यादा है। जेब भरी हो, और मन खाली हो, ऐसी हालत में जादू का असर खूब होता है। जेब खाली पर मन भरा न हो, तो भी जादू चल जाएगा। मन खाली है तो बाज़ार की अनेकानेक चीज़ों का निमंत्रण उस तक पहुँच जाएगा। कहीं हुई, उस वक़्त जेब भरी तब तो फिर वह मन किसकी मानने वाला है। मालूम होता है यह भी लूँ, वह भी लूँ। सभी सामान जरूरी और आराम को बढ़ाने वाला मालूम होता है। पर यह सब जादू का असर है।

(i) बाज़ार को जादू क्यों कहा गया है? 1
(a) आपूर्ति करने के कारण (b) भ्रम पैदा करने के कारण
(c) बाज़ार की महिमा के कारण (d) जरूरत पैदा करने के कारण

(ii) 'जादू की मर्यादा' से आप क्या समझते हैं? 1
(a) प्रभाव की सीमा (b) जादू का असर
(c) रूप के समान (d) निश्चित प्रभाव

(iii) बाज़ार का असर कब अधिक होता है? 1
(a) जेब और मन खाली होने पर (b) जेब और मन भरे होने पर
(c) जेब भरी और मन खाली होने पर (d) जेब खाली और मन भरे होने पर

(iv) मन खाली और जेब भरी होने पर बाज़ार का प्रभाव कैसे होता है? 1
(a) सहयोगी (b) उपहासक
(c) मर्यादित (d) विनाशक

(v) बाज़ार का सभी सामान उपयोगी लगने के क्या कारण हो सकते हैं? 1
(a) जादू का असर (b) सामान की कमी
(c) सब कुछ खरीदने की इच्छा (d) संतुलित मन के कारण

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **10×1=10**

(i) पंतजी अपनी घड़ी रोज़ाना सुबह-शाम रेडियो समाचारों से मिलाते हैं—पंक्ति से यह पता चलता है कि पंतजी .....
(a) समय के पाबंद हैं। (b) की घड़ी पुरानी है।
(c) का मन दफ़्तर में नहीं लगता (d) खाली बैठे रहते हैं।

(ii) यशोधर बाबू पहले साइकिल से ऑफिस आते थे अब पैदल आने लगे हैं, क्योंकि
(a) घर से ऑफिस पास है।
(b) उनके बच्चों को साइकिल पसंद नहीं

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

(c) पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं
(d) अब से साइकिल नहीं चला पाते।

(iii) यशोधर बाबू की पत्नी पारंपरिक होते हुए भी किस कारण से आधुनिक हो गई हैं? **1**
(a) यशोधर बाबू से अलग सोच रखने से
(b) समय के साथ खुद को बदलने से
(c) आधुनिकता में आनंद आने से
(d) बच्चों के प्रति मातृसुलभ मजबूरी से

(iv) गाँव भर में लेखक का कोल्हू सबसे पहले शुरू क्यों होता था? **1**
(a) ईख तैयार होने से
(b) भाव अधिक लेने के लिए
(c) ईख अधिक होने से
(d) बाज़ार में जल्दी गुड़ भेजने के लिए

(v) देसाई के बाड़े का बुलावा दादा के लिए सम्मान की बात थी, क्यों? **1**
(a) वह ऊँची जाति का था।
(b) गाँव का सम्मानित व्यक्ति था।
(c) उनकी ज़मीन जोतता था।
(d) उनसे कर्ज लिया था।

(vi) 'अब मल्ला के सभी काम बीत गए हैं'—पंक्ति में प्रयुक्त 'मल्ला' का क्या अर्थ है? **1**
(a) खेती
(b) पानी
(c) बाग
(d) फ़सल

(vii) 'मंत्री' नामक शिक्षक क्या पढ़ाते थे? **1**
(a) विज्ञान
(b) साहित्य
(c) इतिहास
(d) गणित

(viii) मुअनजो-दड़ो में अब खुदाई क्यों बंद कर दी गई है? **1**
(a) दलदल की समस्या के कारण
(b) कुछ नहीं मिलने के कारण
(c) अवशेष की उम्मीद नहीं होने से
(d) मौजूद खंडहर बचाने के लिए

(ix) अजायबघर में प्रदर्शित चीज़ों में कौन सी चीजें नहीं मिली है?
(a) हथियार
(b) बरतन
(c) औज़ार
(d) सुई

(x) छोटे टीलों पर बनी बस्तियों को कहा गया है?
(a) गढ़
(b) रईसों की बस्ती
(c) नीचा नगर
(d) सचिवालय

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. दिए गए चार विषयों में से किसी एक विषय पर लगभग 120 शब्दों में रचनात्मक लेख लिखिए। **1 × 6 = 6**
(क) त्योहारों पर बाज़ार की चहल-पहल
(ख) अंतराष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद
(ग) पकी फ़सल से लहलहाता खेत
(घ) नदी में अचानक पानी का बढ़ना

8. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— **2×3=6**
(क) कहानी और नाटक में क्या-क्या समानताएँ होती है?
(ख) रेडियो नाटक और सिनेमा में क्या भिन्नता होती है?
(ग) क्या नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की कोई तकनीक हो सकती है? इन्हें लिखते समय क्या सावधानियाँ बरतनी चाहिए?

9. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए— **2×4=8**
(क) पत्रकारिता जगत में 'बीट' से आप क्या समझते हैं? बीट रिपोर्टिंग के लिए एक पत्रकार को क्या तैयारी करनी पड़ती है?
(ख) 'संपादक के नाम पत्र' कॉलम से आप क्या समते हैं? समाचार-पत्रों में इसकी क्या उपयोगिता है?
(ग) मीडिया जगत में दृश्य से क्या अभिप्राय है? टेलीविज़न के लिए दृश्य के साथ लेखन करना क्यों आवश्यक है? उदाहरण सहित लिखिए।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(क) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'बात सीधी थी पर' कविता के आधार पर लिखिए कि कवि को 'भाषा' के संदर्भ में किस बात का डर था और क्यों?

(ग) कैमरे में अपाहिज को बंद करने के कारणों का कैमरे में बंद अपाहिज कविता के आधार पर उल्लेख कीजिए।

11. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में दीजिए— 2×2=4

(क) 'बगुलों के पंख' कविता के आधार उस सौन्दर्य का वर्णन कीजिए जिसने कवि के मन को मोह लिया।

(ख) 'बादल राग' कविता में कवि बादल को किस रूप में बुलाता है, और क्यों?

(ग) तुलसीदास ने दरिद्रता की तुलना किससे की है और क्यों?

12. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में लिखिए— 2×3=6

(क) भक्तिन की तुलना हनुमान जी से करने के कारणों को स्पष्ट कीजिए।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में मेढक मंडली पर लोगों द्वारा सहेजे गए पानी को फेंकने को पानी की निर्मम बर्बादी क्यों कहा गया है?

(ग) 'शिरीष पुष्प केवल भौंरों के पदों का कोमल दबाव सहन कर सकता है, पक्षियों का बिलकुल नहीं'—कथन का भाव 'शिरीष के फूल' पाठ के आधार पर कीजिए।

13. गद्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 40 शब्दों में लिखिए— 2×2=4

(क) लुट्टन पहलवान ढोल को ही अपना गुरु क्यों मानता था?

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ के आधार पर सिद्ध कीजिए कि जीजी पर गाँधी का प्रभाव था।

(ग) 'बाज़ार दर्शन' पाठ में आए 'पर्चेजिंग पावर' से आप क्या समझते हैं? इसका सकारात्मक उपयोग कैसे किया जा सकता है?

Outside Delhi Set-II 2/2/2

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-I में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— 10×1=10

(i) यशोधर बाबू अपने जीवन में किससे प्रभावित थे? **1**

(a) कृष्णानंद पांडेय **(b)** कृष्णानंद वर्मा

(c) कृष्णानंद शर्मा **(d)** कृष्णानंद गुप्ता

(ii) 'जूझ' कहानी के नायक का मन किससे लिए तरसता था? **1**

(a) भोजन के लिए **(b)** पढ़ने के लिए

(c) कपड़े के लिए **(d)** खेलने के लिए

(iii) सिंधु घाटी सभ्यता की संस्कृति को आप किस श्रेणी में रखेंगे? **1**

(a) खेतिहर संस्कृति **(b)** मैदानी संस्कृति

(c) नभ संस्कृति **(d)** शहरी संस्कृति

(iv) मुअनजो-दड़ो सबसे बड़ा शहर है— **1**

(a) ताम्रकाल के शहरों में **(b)** स्वर्णकाल के शहरों में

(c) पाषाणकाल के शहरों में **(d)** रजतकाल के शहरों में

(v) यशोधर बाबू को आप किस प्रकार के व्यक्ति की श्रेणी में रखेंगे? **1**

(a) साधारण **(b)** आदर्शवादी

(c) पुरातनपंथी **(d)** विरोधी

(vi) बसंत पाटिल को लेखक द्वारा अपना दोस्त बनाने के कारणों में से कौन-सा कारण सही नहीं है? **1**

(a) होशियार छात्र होना **(b)** शांत स्वभाव का होना

(c) कक्षा का मॉनिटर **(d)** बड़े घर का होना

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE ®

(vii) निम्नलिखित में से किस बात से यह पता चलता है कि मुअनजो-दड़ो के लोग बारीक कशीदाकारी करते थे?

(a) सुई मिलने से **(b)** दुशाला मिलने से

(c) सूती कपड़ा मिलने से **(d)** (a) और (b) दोनों

(viii) मुअनजो-दड़ो और हड़प्पा के रहस्य आज भी रहस्य क्यों बने हुए हैं? **1**

(a) भव्यता के आडंबर से **(b)** अध्ययन नहीं हो पाने से

(c) अनबूझ लिपि के कारण **(d)** सुघड़ता के अभाव के कारण

(ix) 'जूझ' पाठ के लेखक को अकेला रहना क्यों अच्छा लगने लगा?

(a) कविता लिखने में रुचि जगने से **(b)** कविताओं के साथ खेलने से

(c) कविता के अर्थ को समझने से **(d)** कविता पर विचार करने से

(x) मास्टर की चाल पर दूसरी कविताएँ भी पढ़ी जा सकती हैं—कथन में प्रयुक्त 'चाल' शब्द का अर्थ हो सकता है—

(a) रुकने एवं आगे बढ़ने का नियम **(b)** भाव-भंगिमा और गाने का ढंग

(c) अभिनय करने का ढंग **(d)** कविता लेखन करने का ढंग

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

9. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए— **2×4=8**

(क) इंटरनेट तेज़ी से लोकप्रिय क्यों हो रहा है? किन्हीं चार कारणों का उल्लेख कीजिए।

(ख) पत्रकारीय साक्षात्कार और सामान्य बात-चीत का अंतर करते हुए साक्षात्कारकर्ता के गुणों का उल्लेख कीजिए।

(ग) समाचार के इंट्रो और बॉडी से आप क्या समझते है? मीडिया में इनका संबंध किससे है? उसे क्या कहा जाता है?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— **2×3=6**

(क) में अपने मन का गान किया करता हूँ—'आत्मपरिचय' कविता से ली गई इस पंक्ति के माध्यम से कवि की भावनाओं को स्पष्ट कीजिए।

(ख) खरगोश की आँखों जैसा लाल सवेरा—पंक्ति के संदर्भ में अपने क्षेत्र की शरदकालीन सुबह का वर्णन कीजिए।

(ग) किसी के दु:ख को बेचना कहाँ तक उचित हैं? 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता के संदर्भ में लिखिए।

Outside Delhi Set-III **2/2/3**

नोट: निम्नलिखित प्रश्नों के अतिरिक्त अन्य प्रश्न Outside Delhi Set-I में हैं।

खण्ड-'अ'

(बहुविकल्पीय/वस्तुपरक प्रश्न)

6. निम्नलिखित प्रश्नों में से निर्देशानुसार सबसे उचित उत्तर वाले विकल्प चुनकर लिखिए— **10×1=10**

(i) 'समहाउ इंप्रापर' सिल्वर वैडिंग से लिए इस वाक्यांश में किस प्रकार के भाव की ध्वनि निकलती है? **1**

(a) असंतोष की स्थिति **(b)** अनिर्णय की स्थिति

(c) असहयोग की स्थिति **(d)** असमंजस्य की स्थिति

(ii) 'जूझ' कहानी के नायक के जीवन में संघर्ष की अधिकता क्यों थी? **1**

(a) सहायता नहीं मिलने से **(b)** पिता के सहयोगी नहीं होने से

(c) नहीं पढ़ पाने से **(d)** खेती का काम करने से

(iii) सिंधु सभ्यता के सबसे बड़े शहर का क्या नाम था? **1**

(a) कालीबंगा **(b)** लोथल

(c) रोपड़ **(d)** मुअनजो-दड़ो

(iv) यशोधर बाबू ने दफ़्तर की घड़ी को ही सुस्त क्यों ठहराया ? **1**

(a) घड़ी पुरानी थी **(b)** उनकी घड़ी से नहीं मेल खाने से

(c) उन्हें जल्दी जाना था **(d)** वे वक़्त के पाबंद थे।

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE ®

(v) राजस्थान के कुलधरा गाँव के लोग कैसे थे?

(a) कायर (b) निर्बल

(c) दुर्बल (d) स्वाभिमानी

(vi) माँ ने कहा "अब तू ही बता, मैं का करूँ'? इस कथन में माँ के मन का भाव किस प्रकार का है?

(a) विवशता (b) असमर्थता

(c) शक्तिहीनता (d) निराशा

(vii) दत्ता जी राव का यह कथन—'मैं पढ़ाऊँगा तुझे'। से दत्ता जी की लेखक के प्रति किस प्रकार की भावना प्रकट होती है? 1

(a) लेखक के पिता को छोटा समझना (b) लेखक को बच्चा समझना

(c) लेखक के प्रति सहानुभूमि (d) लेखक को गरीब समझना

(viii) महाकुंड की दीवारों की चिनाई करने के लिए किस सामग्री का प्रयोग किया गया था? 1

(a) चूने और चिरोड़ी का (b) चूने और रेता का

(c) रेते और बदरपुर का (d) चूने और सीमेंट का

(ix) 'पहली ही झलक में हमें अपलक कर दिया'—'अतीत में दबे पाँव पाठ से ली गई इस पंक्ति में 'अपलक कर दिया' का अर्थ है— 1

(a) आश्चर्यचकित करना (b) प्रसन्न करना

(c) अभिभूत करना (d) चिंतित करना

(x) मुअनजो-दड़ो के खास हिस्से के सिरे पर स्थित स्तूप वाले चबूतरे को कहा जाता है? 1

(a) स्तूप (b) बौद्ध स्तूप

(c) गढ़ (d) राजधानी

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

9. निम्नलिखित तीन में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 80 शब्दों में लिखिए— 2×4=8

(क) मुद्रित माध्यमों के लिए लिखते समय किन बातों का ध्यान रखना आवश्यक है?

(ख) फीचर लेखन और समाचार लेखन की शैलियों पर विचार व्यक्त कीजिए।

(ग) संपादकीय लेख कौन लिखता है? समाचार पत्र-पत्रिकाओं में इसका क्या महत्त्व है? इस लेखन के साथ किसी का नाम क्यों नहीं लिखा होता?

10. काव्य खंड पर आधारित निम्नलिखित तीन प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 60 शब्दों में दीजिए— 2×3=6

(क) तुलसीदास ने अपने युग की जिस दुर्दशा का वर्णन किया है, आज के संदर्भ में उस पर टिप्पणी कीजिए।

(ख) 'दिन जल्दी-जल्दी ढलता है' कविता का प्रतिपाद्य लिखिए।

(ग) 'कैमरे में बंद अपाहिज' कविता का संदेश लिखिए।

❑❑❑

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

उत्तरमाला

खण्ड–'अ'

(अपठित गद्यांश)

1. (i) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—भारतीय संस्कृति और दर्शन किसी देश या जाति के नहीं, अपितु समस्त मानव जाति के कल्याण के लिए है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—आध्यात्मिक स्तर पर जुड़ने का अर्थ है, आत्मा का सार्वभौमिक चेतना से मिलन।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

(vi) विकल्प (c) सही है।

(vii) विकल्प (d) सही है।

(viii) विकल्प (c) सही है।

(ix) विकल्प (d) सही है।

(x) विकल्प (a) सही है।

2. (i) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—कवि का कहना है कि आकाश में काली घटा छाई है जिसके कारण आज वर्षा होगी।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

अथवा

(i) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—पंछी के रूप में कवि की अभिलाषा है कि वह स्वच्छन्द होकर वन-वन में घूमना चाहता है और विश्व-भर अपना राज्य स्थापित करना चाहता है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

3. (i) विकल्प (d) सही है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

(iii) विकल्प (d) सही है।

व्याख्या—ख़बर की पुष्टि करने वाले प्रत्यक्षदर्शियों के कथन को एंकर-बाइट कहते हैं।

(iv) विकल्प (b) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

4. (i) विकल्प (c) सही है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—कटाई अनंतता की के माध्यम से कवि साहित्य की कालजयी होने की विशेषता की ओर संकेत करना चाहता है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

(iv) विकल्प (d) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

5. (i) विकल्प (a) सही है।

(ii) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—भक्तिन की सास ने भक्तिन से कहा कि "बहुत दिन से नैहर नहीं गई, सो जाकर देख आवे।" यह व्यवहार 'अत्याशित अनुग्रह' प्रतीत हुआ।

(iii) विकल्प (c) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

(v) विकल्प (b) सही है।

6. (i) विकल्प (a) सही है।

(ii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—यशोधर बाबू के मातहत उन्हें पसन्द इसलिए नहीं करते थे क्योंकि उनके कारण उन्हें दफ़्तर में देर तक बैठना पड़ता था।

(iii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—दफ़्तर से बाहर निकलते समय यशोधर बाबू किशन दा द्वारा सिखाई गई 'जूनियरों के साथ मनोरंजक बात करना' परम्परा का पालन अवश्य करते थे।

(iv) विकल्प (a) सही है।

(v) विकल्प (c) सही है।

(vi) विकल्प (a) सही है।

(vii) विकल्प (a) सही है।

(viii) विकल्प (b) सही है।

(ix) विकल्प (a) सही है।

(x) विकल्प (a) सही है।

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. (क) सर्दी की एक कँपकँपाती रात

शरद ऋतु की चरम सीमा के महीने में उच्च स्तरीय ठंड और सर्द हवाओं का हमें सामना करना पड़ता है। इस समय रातें लम्बी और दिन छोटे होने लगते हैं। कोहरे के कारण

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

वातारण में धुंध छाई रहती है। सर्दी की एक कँपकँपाती रात में मैंने देखा कि एक कुत्ता मेरे दरवाज़े पर सिमटा हुआ बैठा है। शायद वह भूखा भी था। मैंने अलमारी से एक कम्बल निकाला और कुत्ते को ढक कर घर के अन्दर ले आई। थोड़ी देर तक वह बिल्कुल शान्त रहा, फिर उसने एक ब्रेड बहुत मुश्किल से खाई। शायद से बुखार भी था। अगले दिन सुबह होते ही मैं उसे डॉक्टर के पास ले गई। डॉक्टर ने कुछ दवाइयाँ दी जिससे वह पूरी तरह स्वस्थ हो गया। अब वह कुत्ता मेरे साथ ही रहता है। मेरे घर का एक सदस्य बन गया है।

(ख) जब पिताजी की पदोन्नति हुई

मेरे आदर्श मेरे पिता हैं। बचपन से छोटी से छोटी चीज़ों का ख़्याल रखते हुए आए हैं। मैं आज भी अपने पिता जी के साथ बिताए हुए बचपन के सभी पलों को याद करती हूँ। उनका विनम्र और शांतिपूर्ण व्यक्तित्व है। गलती करने पर भी वह डाँटते नहीं है बल्कि बड़ी ही सरलता से बात को समझा देते हैं। ऐसा कहा गया है कि 'कड़ी मेहनत हमेशा मीठा फल देती है।' मेरे पिता जी सब इंस्पेक्टर के पद पर आसीन थे लेकिन अब उनकी पदोन्नति कर दी गई है जिसकी वजह से वह एस.एच.ओ बन गए हैं। मैं भी अपने जीवन में कड़ी मेहनत करूँगी जिससे मैं अपने पिता जी का नाम रोशन कर सकूँ। पिता जी की इस पदोन्नति से माँ अत्यन्त प्रफुल्लित हैं, इसलिए आज उन्होंने पदोन्नति के उपलक्ष्य में एक पार्टी का आयोजन किया है।

(ग) दिनोंदिन गिरता भू-जल स्तर

सम्पूर्ण सृष्टि जल से घिरी हुई है, जल के बगैर सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती है। जल एक प्राकृतिक स्रोत है। जीवन में पानी का महत्त्वपूर्ण स्थान है। आज के दौर में दिनोंदिन भू-जल स्तर कम होता जा रहा है जिससे सम्पूर्ण सृष्टि खतरे में आ पड़ी है। ज़िन्दगी की पाँच मूल तत्त्वों में से एक जल है। यही हमारे जीवन की वजह है अर्थात् जल की वजह से ही हम जीवित हैं। दक्षिण और उत्तर-पश्चिमी भागों के क्षेत्रों की भौगोलिक स्थिति ऐसी है कि यहाँ पर कम वर्षा होती है। भारत में मानसून की अस्थिरता भी जल संकट का बड़ा कारण है। लोग वनों को काट कर घर बना रहे हैं। जिससे मानसून प्रभावित हो रहा है। जल संकट का प्रभाव सबसे अधिक मानव जीवन पर पड़ रहा है।

(घ) स्वप्न में प्रिय अभिनेता/अभिनेत्री से भेंट

स्वप्न में मेरे प्रिय अभिनेता अमिताभ बच्चन से भेंट हुई। वह प्रत्येक भूमिका को सहज भाव से आत्मसात् करके निभाने वाले अभिनेता हैं। चाहे वह कॉमेडी हो, या एक्शन, सभी में अपने को परिस्थिति के अनुरूप ढाल लेते हैं। 60 वर्ष की आयु पूरी होने के बाद भी आज भी उनकी आँखों की चमक और आवाज़ में दमखल बरकरार है। मैंने स्वप्न में देखा कि के.बी.सी. के सेट पर मुझे प्रतिभागी के तौर पर आमंत्रित किया गया है। अमिताभ जी बहुत ही सरलता से मुझसे प्रश्न कर रहे हैं और मैं उनके उत्तरों को बड़े ही धैर्य से दे रही हूँ। अन्त में मैं के.बी.सी प्रतियोगिता जीत जाती हूँ। मुझे अमिताभ जी के हाथों से एक करोड़ का चैक प्राप्त होता है।

8. (क) कहानी और नाटक दोनों में ही कथा होती है जिसके माध्यम से कहानी आगे बढ़ती है। कहानी और नाटक दोनों का केन्द्र बिन्दु कथानक होता है। कहानी और नाटक दोनों में ही पात्र होते है। कहानी और नाटक के पात्रों के मध्य द्वंद्व होता है। कहानी और नाटक दोनों में एक उद्देश्य निहित होता है। कहानी का मंचन नहीं किया जाता जबकि नाटक का मंचन किया जाता है। कहानी की शुरुआत, मध्य और अन्त के आधार पर होती है जबकि नाटक दृश्य में विभाजित होता है।

(ख) सिनेमा और रंगमंच की तरह रेडियो नाटक में विजुअल्स अर्थात् दृश्य नहीं होते हैं। यही सबसे बड़ा अन्तर है। रेडियो पूरी तरह से श्रव्य माध्यम है इसीलिए रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा व रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी। रेडियो नाटक में मंच सज्जा तथा वस्त्र सज्जा नहीं होती है। न ही अभिनेता के चेहरे की भाव-भंगिमाएँ। रेडियो नाटक में एक कहानी होती है, कहानी का वही ढाँचा, शुरूआत-मध्य-अन्त तक। बस ये सब आवाज़ के माध्यम से होता है।

(ग) स्थान और समय के आधार पर दृश्यों को लिखा जाता है। यह देखना आवश्यक है कि प्रत्येक दृश्य का कथानक के अनुसार औचित्य हो। यह भी ध्यान रखना चाहिए कि प्रत्येक दृश्य का कथानुसार तार्किक विकास हो रहा है या नहीं। यह सुनिश्चित करने के लिए दृश्य विशेष के उद्देश्य और उसकी संरचना पर विचार आवश्यक है। प्रत्येक दृश्य एक बिन्दु से प्रारम्भ होता है। दृश्य का पूरा विवरण तैयार किया जाना चाहिए। नाटक के प्रत्येक दृश्य में प्रारम्भ, मध्य और अन्त होता है।

9. (क) जनसंचार के आधुनिक माध्यमों से सबसे पुराना माध्यम समाचार-पत्र है। लोग पहले सूचनाएँ समाचार-पत्र से ही प्राप्त करते थे लेकिन आधुनिक युग में जल्दी सूचनाएँ प्राप्त करने के लिए टी.वी., मोबाइल इत्यादि का सहारा लेते हैं। समाचार-पत्र पढ़ने से हमारा वाचल कौशल सहज बनता है। समाचार-पत्र की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं—

(i) सम्पूर्ण विश्व की जानकारी प्राप्त होती है जिससे हमारे ज्ञान का स्तर बढ़ता है।

(ii) समाचार-पत्र के द्वारा अनेक नौकरियों की जानकारी भी हमें प्राप्त होती है।

(iii) समाचार-पत्र में ख़बरों की नवीनता होती है।

(ख) समाचार लेखन को ही पत्रकारीय लेखन कहते हैं। समाचार माध्यमों में काम करने वाले पत्रकार जिस विशेष लेखन का प्रयोग अपने पाठकों के लिए करते हैं, उन्हें पत्रकारीय लेखन कहते है। पत्रकारीय लेखन के

OSWAL BOOKS Learning Made Simple

अन्तर्गत सम्पादकीय, आलेख, रिपोर्ट, फीचर इत्यादि आते हैं। पत्रकारीय लेखन का मुख्य उद्देश्य जनता तक सूचना पहुँचाना होता है।

पत्रकार के प्रकार—

(i) पूर्णकालिक पत्रकार

(ii) अंशकालिक पत्रकार

(iii) फ्रीलांसर पत्रकार

पूर्णकालिक पत्रकार किसी समाचार संगठन में काम करने वाला नियमित वेतनभोगी कर्मचारी होता है। अंशकालिक निश्चित मानदेय पर काम करने वाला पत्रकार होता है। फ्रीलांसर भुगतान के आधार पर कार्य करने वाला पत्रकार होता है।

(ग) समाचार एक विशेष शैली में लिखे जाते हैं। इन समाचारों में किसी भी घटना विशेष की जानकारी या सूचना निहित होती है। उल्टा पिरामिड शैली का प्रयोग इसमें मुख्य तौर पर किया जाता है। इसमें किसी घटना, विचार या समस्या की सबसे महत्त्वपूर्ण तथ्य या सूचना पिरामिड के निचले हिस्से में नहीं होती है और इस शैली में पिरामिड को उल्टा कर दिया जाता है। महत्त्वपूर्ण सूचना सबसे ऊपरी हिस्से में होती है और घटते हुए क्रम में सबसे कम महत्त्वपूर्ण सूचनाएँ होती हैं। इसलिए यह मानक शैली बनी।

10. (क) मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। वह समाज में रहकर अपना जीवनयापन करता है। बिना समाज के मनुष्य की कल्पना नहीं की जा सकती है। कवि ने बताया है कि दुनिया को जानना तो आसान है लेकिन स्वयं को जानना उतना ही कठिन है। समाज में रहकर मनुष्य को खट्टे-मीठे अनुभव होते हैं। व्यक्ति की पहचान भी समाज से ही होती है। समाज में सुख-दु:ख का समन्वय बना रहता है। कवि ऐसे जीवन की कामना करता है जो प्रेम और आनंद से भरपूर हो।

(ख) कविता की उड़ान चिड़िया की समझ से परे है क्योंकि चिड़िया के उड़ने की एक सीमा है जबकि कविता की उड़ान देशकाल से बाहर भी सम्भव है। कविता की उड़ान कल्पना और विचारों की उड़ान होती है जिसमें विचारों एवं भावों की परिपक्वता होती है। चिड़िया इस कविता के विचारों एवं भावों की कल्पना से बिल्कुल अलग है। वह कविता की उड़ान को नहीं समझ सकती।

(ग) तुलसीदास ने अपनी 'कवितावली' के छंदों में अपने समय के लोगों की जीविका-विहीनता का चित्रण इस प्रकार किया है कि लोग बेरोज़गारी की समस्या से परेशान हैं। मज़दूर किसान, नौकर, भिखारी किसी के पास भी खाने तक के लिए भोजन नहीं है। वे गरीबी के कारण अपनी सन्तानों तक को बेच रहे हैं। सभी ओर समाज में भुखमरी और विवशता है।

11. (क) आकाश में बगुले अपने पंख फैलाए हुए कतार में उड़ रहे हैं। उसे देखकर कवि को ऐसा लगता है कि सांझ की श्वेत कांतिमय काया विहार कर रही है। यह एक जादू के समान है। यह दृश्य कवि को अपनी ओर आकर्षित करता है। कवि इस आकर्षण से अपने को बचाने की गुहार लगाता है।

(ख) 'बादल-राग' कविता में कवि पूँजीपतियों के ऊँचे-ऊँचे विशाल भवनों को आतंक-भवन इसलिए कहता है क्योंकि इन्हीं भवनों में रहने वाले व्यक्तियों ने गरीबों का शोषण किया है। ये गरीबों को आतंकित करने वाले अड्डे हैं।

(ग) कवि के अनुसार काली सिल पर लाल केसर को रगड़ देने से उसमें लाली युक्त लालिमा दिखाई देने लगती है। उसी प्रकार भोर के समय आसमान में अंधकार के कारण काला और उषा की लालिमा से युक्त होने पर वह काली सिल पर लाल केसर रगड़ने के समान दिखाई देता है।

12. (क) इस पंक्ति में बताया गया है कि बहुत समय से वर्षा नहीं हो रही है जिसके कारण थोड़ा ही पानी बचा हुआ है। यह पानी सिर्फ़ गगरी तक ही सीमित है। वह भी घड़े के टूटने से गिर गया है। अब गगरी में कुछ नहीं बचा, इसलिए बैल प्यासे रह गए। बैल भी तभी खेत-जोत सकेंगे जब उनकी प्यास बुझेगी। अर्थात् गगरी और बैल के माध्यम से लेखक का कहना है कि आज हमारे देश में संसाधनों की कमी नहीं है परन्तु भ्रष्टाचार के कारण वे साधन लोगों के पास तक नहीं पहुँच पाते।

(ख) भक्तिन स्वाभिमानी और संघर्षशील स्त्री है जो पितृसत्तात्मक मान्यताओं और छल-छद्म भरे समाज से अपने और अपनी बेटियों के हक की लड़ाई लड़ती है। घर गृहस्थी संभालने के लिए बड़ी बेटी और दामाद को बुला लिया लेकिन अचानक उसके दामाद की भी मृत्यु हो जाती है। भक्ति पैसा कमाने के किए गाँव छोड़कर शहर आ जाती है और महादेवी जी की सेविका बनकर रहती है।

(ग) बाज़ार का जादू उन लोगों पर जल्दी असर करता है जिनकी जेब में पैसा होता है। बाज़ार का जादू चढ़ने पर मन-अधिक से अधिक चीज़ों को खरीदना चाहता है तब व्यक्ति सोचता है कि बाज़ार में बहुत सारी चीज़े है और उसके पास कम। बाज़ार का जादू उतरने पर मनुष्य को पता चलता है कि यह चीज़े बहुत आराम नहीं देती केवल दिखावे के लिए ही ठीक हैं। बाज़ार का जादू उतरने पर उसे अपने द्वारा खरीदी हुई चीज़े व्यर्थ मालूम होती हैं।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

13. **(क)** लुट्टन की अंतिम इच्छा थी कि उसे चिता पर पेट के बल लिटाया जाए न कि चित्त लिटाया जाए क्योंकि वह कभी भी चित्त नहीं हुआ था। आग देते समय ढोलक ज़रूर बजाया जाए।

(ख) 'शिरीष के फूल' निबंध में लेखक के जीवन का सत्य है—वृद्धावस्था व मृत्यु। ये दोनों जगत के अतिपरिचित व अतिप्रामाणिक सत्य हैं। इनसे कोई बच नहीं सकता।

(ग) भक्तिन के सम्बन्धों को मालिक और नौकरानी का सम्बन्ध महादेवी जी ने इसलिए नहीं माना था क्योंकि महादेवी जी से उसका आत्मीय सम्बन्ध जुड़ गया था। वह महादेवी जी को कभी भी अकेला छोड़कर नहीं जाती थी। भक्तिन तन-मन से सेवा करती थी।

खण्ड-'अ'

(अपठित गद्यांश)

3. (i) **विकल्प (d) सही है।**

(ii) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—वेबसाइट पर विशुद्ध पत्रकारिता शुरू करने का श्रेय तहलका डॉट कॉम को है।

(iii) **विकल्प (a) सही है।**

(iv) **विकल्प (d) सही है।**

(v) **विकल्प (a) सही है।**

6. (i) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—यशोधर बाबू ने दफ़्तर से लौटते हुए रोज़ बिड़ला मंदिर जाने और उसके उद्यान में बैठकर कोई प्रवचन सुनने अथवा स्वयं ही प्रभु का ध्यान लगाने की नई रीत अपनाई है।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—आनंदा के पिता द्वारा स्वयं खेतों में काम न कर अपने बेटे से काम करवाने से उसके व्यक्तित्व की इस विशेषता का पता चलता है कि आलसी और कामचोर था।

(iii) **विकल्प (b) सही है।**

खण्ड-'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

10. **(क)** लक्ष्मण मूर्च्छा और राम-विलाप के सन्दर्भ में तुलसीदास जी कहते हैं कि मूर्च्छित लक्ष्मण को देखकर श्री राम जी भी चिन्तित हो जाते हैं। श्री राम जी भी ऐसे वचन कहने लगे जो मनुष्य के कहने योग्य हैं। साधारण मनुष्य की भाँति श्री राम भी अपने आघात भाई को देखकर कहते हैं कि आधी रात तो हो चुकी लेकिन हनुमान नहीं आए। श्रीराम लक्ष्मण को उठाकर अपने हृदय से लगा लेते हैं। श्री राम लक्ष्मण के त्यागों, प्यार व भ्रातभाव को प्रकट करते हैं।

(ख) कविता की उड़ान फूलों के समान होती है क्योंकि दोनों ही महकती हैं। कविता का खिलना फूल इसलिए नहीं जान सकता क्योंकि फूल का खिलना एक निश्चित सीमा तक होता है जबकि कविता हमेशा शाश्वत और निरन्तर महकने वाली होती है, इसलिए कविता की खिलने की कोई सीमा नहीं होती है। जबकि फूल खिल कर मुर्झा जाता है और कविता कभी नहीं मुर्झाती।

(ग) शारीरिक चुनौती झेल रहे व्यक्ति को पर्दे पर दिखाने के पीछे मीडिया कर्मियो का उद्धेश्य केवल कार्यक्रम को एक ही दिन में लोकप्रिय बनाना है। इन नीडिया कर्मियों का इससे जुड़ा कोई सामाजिक उद्देश्य नहीं होता। इनकी अपंग व्यक्ति से कोई सहानुभूति नहीं होती। केवल व्यवसाय करना ही इनका मुख्य उद्देश्य है। वह उसकी अपंगता का शोषण कर अपने कार्यक्रम को सफ़ल बनाने का प्रयास करते है।

11. **(क)** बात भी शरारती बच्चे की तरह खेलती है। न तो उसमें कसाव होता है न ही कोई ताकत होती है। जब अपनी बात को सहज रूप से न कहकर तोड़-मरोड़कर कहने का प्रयास किया जाता है तो वह उलझती चली जाती है और शरारती बच्चे के समान प्रतीत होती है।

(ख) शरदकालीन सुबह की तुलना खरगोश की आँखों की लालिमा से की है। शरद का मानवीकरण करते हुए कवि कहता है कि वह अपनी नई चमकीली साइकिल को तेज़ गति से चलाते हुए ज़ोर-ज़ोर से घण्टी बजाते हुए पुलों को पार करके आ रहा है।

(ग) 'आत्म-परिचय' कविता में कवि ने बताया है कि मनुष्य द्वारा स्वयं को जानना अत्यन्त कठिन है। मनुष्य एक सामाजिक प्राणी है। समाज के बिना उसकी कल्पना नहीं की जा सकती। समाज से मनुष्य को खट्टे-मीठे अनुभव प्राप्त होते हैं। यह संसार ही उसकी पहचान है। इसमें सुख-दु:ख का समन्वय है।

12. **(क)** शिरीष की तुलना अवधूत से इसलिए की गई है क्योंकि जिस प्रकार अवधूत अर्थात् संन्यासी सुख-दु:ख लाभ हानि की चिन्ता से परे होता है उसकी प्रकार शिरीष का पेड़ भी धूप-आँधी की चिन्ता के बिना खड़ा रहता है। उसी प्रकार गाँधी जी भी ब्रिटिश सरकार की अन्यायपूर्ण

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

एवं दमनकारी नीतियों के विरुद्ध अपने सिद्धान्तों की रक्षा के लिए डटकर खड़े रहे।

(ख) राजा साहब ने लुट्टन को सहारा इसलिए दिया था ताकि वह सुप्रसिद्ध पहलवान चाँदसिंह को हरा सके। चाँदसिंह को हराने के बाद राजा ने उसे राज पहलवान घोषित कर दिया था लेकिन अन्त में राजा की मृत्यु के उपरान्त विलायती राज आ गया था, उसमें कुश्ती को बन्द कर घोड़ों की रेस को प्राथमिकता दी जाने लगी। उसने लुट्टन के जीवन में दुर्गति हो गई।

(ग) बारिश करवाने के लिए इंद्र देवता से प्रार्थना करते हैं। बाद में इंदर सेना कीचड़ व पानी में लथपथ होकर वर्षा की गुहार लगाती थी। जीजी लेखक को समझाती है कि हम इंद्र भगवान को पानी नहीं देंगे तो वह हमें पानी कैसे देंगे? ऋषियों ने भी दान को महान् बताया है। किसान भी तीस-चालीस मन गेहूँ उगाने के लिए पाँच-छह सेर अच्छा गेहूँ बोता है। इसी तरह हम अपने घर का पानी इन पर फेंककर बुवाई करते हैं। हम बीज बनाकर पानी देते हैं, फिर काले मेघा से पानी माँगते हैं।

13. (क) बाज़ार की असली कृतार्थता आवश्यकता के समय काम आना है। मन खाली रखने का मतलब मन बन्द नहीं करना है अर्थात् मन बाज़ार की चीज़ों से प्रभावित होता रहता है। परमात्मा सभी जगह विद्यमान है और इसी को ही शून्य होने का अधिकार है। मनुष्य अपूर्ण है क्योंकि उसके भीतर तृष्णा का समावेश है।

(ख) भक्तिन लाट-साहब से लड़ने के लिए इसलिए तत्पर थी क्योंकि वह अपनी मालकिन को किसी भी कीमत पर खोना नहीं चाहती थी। वह चाहती थी कि उसकी मालकिन उसके साथ सदैव रहें। इस प्रकार भक्तिन अपनी निडरता की विशेषता को उजागर करती है।

(ग) परिवर्तन ही प्रकृति का नियम है। मनुष्य को समयानुसार परिवर्तन करते रहना चाहिए। शिरीष के फूल भी हमें यही सिखाते हैं कि एक ही लीक पर चलने वाला व्यक्ति पिछड़ जाता है। वह प्रचंड लू और उमस को सहन करता है लेकिन फिर भी खिला रहता है। मनुष्य को भी ऐसा ही करना चाहिए।

Delhi Set-III **2/5/3**

खण्ड-'अ'

(अपठित गद्यांश)

3. (i) विकल्प (b) सही है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

6. (i) विकल्प (d) सही है।

(ii) विकल्प (b) सही है।

(iii) विकल्प (a) सही है।

खण्ड-'ब'

10. (क) दिन जल्दी-जल्दी ढ़लता है अर्थात् समय परिवर्तनशील है। वह किसी की प्रतीक्षा नहीं करता है। कवि अकेला है। उसका इंतज़ार करने वाला कोई नहीं है इसलिए उसके हृदय में व्याकुलता है। कवि के मन में प्रेम तरंग जगने का कोई कारण नहीं है। कवि के मन में यह प्रश्न आने पर उसके पैर शिथिल हो जाते हैं। प्राण ी वर्ग के धड़कते हृदय को सुनने की काव्यात्मकता को यह कविता व्यक्त करती है। भावी साक्षात्कार का आश्वासन ही हमारे प्रयास को गति देता है।

(ख) कवि कविता को बच्चों के खेल की तरह मानता है। जिस प्रकार बच्चे कहीं भी किसी भी तरीक़े से खेलने लगते है, उसी प्रकार कवि के लिए कविता भी शब्दों का खेल है। वह बच्चों के खेल की तरह कहीं भी, किसी स्थान पर प्रकट हो सकती है अर्थात् कवि के भाव कहीं भी परिलक्षित हो सकते हैं।

(ग) बादलों के आगमन से प्रकृति में हुए परिवर्तन निम्नलिखित हैं–

(i) बादलों में गर्जना होने लगती है।

(ii) पृथ्वी में से बीज अंकुरित होकर पौधे के रूप में निकलने लगते हैं।

(iii) बिजली भी चमकती है और मूसलाधार वर्षा भी होती है।

(iv) हवा चलने के कारण ऐसा प्रतीत होता है कि छोटे पौधे हाथ हिला रहे हों।

(v) छोटे पौधों में नई जान आ जाती है।

11. (क) 'कैमरे में बन्द अपाहिज' कविता में मीडिया कर्मी अपने कार्यक्रम का अंत एक खीझ भरी मुस्कुराहट के साथ करता है। सामाजिक उद्देश्य से देखने के लिए धन्यवाद देते हैं। वह खीझ भरी मुस्कुराहट के साथ अन्त इसलिए करता है क्योंकि अपाहिज व्यक्ति तय किए गए समय में अपनी पीड़ा व्यक्त नहीं कर पाता और पर्दे पर वक़्त की कीमत होती है।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE®

(ख) कविता में भाषा की सहजता की बात की गई है। जिस प्रकार पेंच ठीक से न लगे, उसे खोलकर बार-बार कसने में उसकी चूड़ियाँ मर जाती हैं, उसी प्रकार बेवजह भाषा का पेंच कसने से भाषा की सहजता समाप्त होकर क्लिष्ट हो जाती है। इसलिए चमत्कारी शब्दों में भाषा को ठूँसना नहीं चाहिए।

(ग) कवि काले बादलों से भरे आकाश में सफ़ेद बगुलों को एक पंक्ति में उड़ते हुए देखता है। कवि की आँखे उन बगुलों पर टिकी ही रह जाती है अर्थात् यह सफ़ेद बगुले अपने आकर्षण में कवि की दृष्टि को बाँध लेते हैं।

12. (क) भारतीय समाज में लड़के को खरा सिक्का माना जाता है। और लड़की को पराया धन समझा जाता है। भक्तिन को खोटे सिक्कों की टकसाल की संज्ञा दी जाती है क्योंकि उसके कोई पुत्र नहीं हुआ। केवल तीन लड़कियों को ही उसने जन्म दिया। समाज में पुत्री को जन्म देने वाली स्त्री का कोई महत्त्व नहीं होता है। इसलिए भक्तिन को अपनी जिठानियों की भी खरी-खोटी सुननी पड़ती थी।

(ख) मनुष्य चेतन है और धन जड़ है। मनुष्य धन की चाह में उसके वश में हो जाता है। तृष्णा की चाह में व्यक्ति निर्बल ही प्रमाणित होता है। लेकिन जहाँ इच्छा शक्ति होती है वहीं ध्यान केन्द्रित रहता है। 'उस बल' से तात्पर्य बाज़ार से वस्तु खरीदने के निश्चय का निर्णय से है। आम व्यक्ति आकर्षण के कारण निरर्थक वस्तुएँ खरीद लेता है।

(ग) लेखक का मन इसलिए दु:खी था क्योंकि भारतीय पाखण्ड और अन्धविश्वास में आस्था रखते हैं। भारतीय रूढ़िवादी धार्मिक मान्यता एवं सांस्कृतिक परम्पराओं के कारण अशिक्षित लोग अन्धविश्वास से छुटकारा नहीं पाते हैं। लोग स्वार्थी हैं और भ्रष्टाचार में लिप्त हैं। सरकार द्वारा चलाई जा रही सरकारी योजनाएँ गरीबों को प्राप्त नहीं हो पा रही हैं। भारतीय अपनी सभ्यता और संस्कृति को पूरी तरह समझ नहीं पाए।

13. (क) महामारी ने सारे गाँव को बुरी तरह प्रभावित किया। लोग सूर्योदय होते ही अपने मृत सम्बन्धियों की लाशों को उठाकर शमशान की ओर जाते थे जिससे उनका अन्तिम संस्कार किया जा सके। लेखक ने बताया है कि सियारों क्रंदन और चेचक की डरावनी आवाज़ कभी-कभी निस्तब्धता अवश्य भंग कर देती थी।

(ख) गाँधी जी सहृदय व्यक्ति थे। वे सत्य, अहिंसा प्रेम आदि को अपने जीवन का अभिन्न अंग मानते थे। लेकिन वह अंग्रेजों के प्रति कठोर थे। वह अनुशासन एवं नियमों के साथ कोई समझौता नहीं करते थे।

(ग) भक्तिन भोजन के समय एक थाली में मोती और चित्तीदार रोटी और गाढ़ी दाल लेखिका को परोस देती थी। भक्तिन ने तर्क दिया कि अच्छी अमचूर सेंकने के प्रयास में रोटियाँ अधिक कड़ी हो गई हैं। उसने अमचूर, लाल मिर्च की चटनी और गुड़ का प्रस्ताव महादेवी जी के समक्ष रखा।

Outside Delhi Set-I **2/2/1**

खण्ड-'अ'

(अपठित गद्यांश)

1. (i) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—महात्मा गाँधी सार्वजनिक और निजी स्वच्छता के प्रति चिन्तित थे। दक्षिण अफ्रीका में बिताए दिनों के बाद से ही यह उनके सत्याग्रह अभियान का हिस्सा था। गांधी जी के लिए समाज में स्वच्छता के लिए अभियान एक जाति विहीन और स्वस्थ समाज बनाने की प्रक्रिया का अभिन्न अंग है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

व्याख्या—हमारे माननीय प्रधानमंत्री ने स्वच्छता पर गाँधी जी के विचारों से प्रेरणा ली और उनकी जयंती पर स्वच्छ भारत अभियान शुरू किया।

(iii) विकल्प (a) सही है।

(iv) विकल्प (a) सही है।

(v) विकल्प (a) सही है।

(vi) विकल्प (b) सही है।

(vii) विकल्प (c) सही है।

(viii) विकल्प (d) सही है।

(ix) विकल्प (d) सही है।

(x) विकल्प (d) सही है।

2. (i) विकल्प (a) सही है।

व्याख्या—काव्यांश में कठिन साधना में निरत कर्ण को बताया गया है।

(ii) विकल्प (c) सही है।

(iii) विकल्प (b) सही है।

व्याख्या—जलद-पटल में छिपा, किन्तु रवि कब तक रह सकता है—पंक्ति का भाव है कि बादल रूपी चादर सूर्य को ढ़क नहीं सकती अर्थात् कर्ण की प्रतिभा को छुपा नहीं सकती। वह प्रतिभा एक दिन स्वत: ही परिलक्षित होगी।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE®

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

(v) **विकल्प (c) सही है।**

अथवा

(i) **विकल्प (c) सही है।**

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—पांडव अज्ञातवास से दृढ़ होकर लौटे थे।

(iii) **विकल्प (a) सही है।**

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

(v) **विकल्प (a) सही है।**

3. (i) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—न्यूज़ पेग आरम्भिक बिन्दु होता है जो एक न्यूज़ स्टोरी को आगे बढ़ाने या उससे जुड़ी अन्य ख़बरों के साथ जोड़ने के लिए उपयोग में लाया जाता है।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

(iii) **विकल्प (a) सही है।**

(iv) **विकल्प (a) सही है।**

(v) **विकल्प (b) सही है।**

4. (i) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—कविता में कवि को कागज़ का पन्ना एक चौकोर खेत के समान प्रतीत होता है।

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

(iii) **विकल्प (a) सही है।**

(iv) **विकल्प (d) सही है।**

(v) **विकल्प (c) सही है।**

5. (i) **विकल्प (d) सही है।**

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

(iii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—बाज़ार का असर तब अधिक होता है जब जेब भरी हो और मन खाली हो।

(iv) **विकल्प (c) सही है।**

(v) **विकल्प (a) सही है।**

6. (i) **विकल्प (a) सही है।**

(ii) **विकल्प (c) सही है।**

व्याख्या—यशोधर बाबू पहले साइकिल से ऑफिस आते थे अब पैदल आने लगे हैं, क्योंकि पिता को साइकिल पर देखना बच्चों को पसंद नहीं है।

(iii) **विकल्प (d) सही है।**

(iv) **विकल्प (b) सही है।**

(v) **विकल्प (b) सही है।**

(vi) **विकल्प (d) सही है।**

(vii) **विकल्प (d) सही है।**

व्याख्या—मंत्री नामक अध्यापक गणित पढ़ाते थे। वे हमेशा छड़ी का उपयोग नहीं करते थे।

(viii) **विकल्प (d) सही है।**

(ix) **विकल्प (a) सही है।**

(x) **विकल्प (b) सही है।**

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

7. **(क) त्योहारों पर बाज़ार की चहल-पहल**

शहर में आजकल त्योहारों पर बाज़ार में चहल–पहल बढ़ गई है। दिवाली, धनतेरस, करवाचौथ इत्यादि के उपहार सभी बाज़ार पर निर्भर हो गए हैं। खासकर महिलाओं की बाज़ार में ज़्यादा भीड़ होती है। दिवाली पर मिष्ठान को उपहार स्वरूप अपने परिजनों को दिया जाता है इसलिए मिष्ठान भण्डार पर भी काफ़ी भीड़ जमा रहती है। सजावटी वस्तुओं में पारम्परिक दीया व मोमबत्ती के अतिरिक्त इलेक्ट्रॉनिक झालर, मोमबत्ती की दुकानों पर बाज़ार में चहल–पहल बनी रहती है। रक्षा बन्धन के दिन भी बाज़ारों में काफ़ी भीड़ जमा होती है। बाज़ार में कई तरह की आकर्षक राखियाँ भी उपलब्ध रहती हैं। रक्षाबंधन पर बहनों द्वारा भाइयों की कलाई पर रक्षा सूत्र बाँध उनकी सलामती की दुआ करने की परम्परा सदियों पुरानी है।

(ख) अन्तर्राष्ट्रीय जगत में भारत का बढ़ता कद

भारत एक विशाल भौगोलिक और जनसंख्या वाला देश है। विश्व अब भारत को एक नई शक्ति के रूप में देख रहा है क्योंकि भारत की शक्ति बढ़ती जा रही है। साथ ही अर्थव्यवस्था में मज़बूती आने लगी है। भारत आर्थिक मोर्चों पर अपनी ताकत का प्रदर्शन कर रहा है। सरकार द्वारा किए गए सुधारों के कारण भारत देश की वित्तीय स्थिति को मज़बूती मिली है। G20 की अध्यक्षता भारत ने 2023 में की। भारत ने G20 अध्यक्ष के तौर पर बांग्लादेश, मॉरीशस, नीदरलैंड, सिंगापुर, स्पेन इत्यादि देशों को अतिथि देशों के रूप में आमंत्रित किया। G20 देशों में दुनिया की 60% आबादी, वैश्विक जीडीपी का 80% और वैश्विक व्यापार का 75% शामिल है। स्पेन को स्थायी अतिथि के रूप में आमंत्रित किया जाता है। भारत ने अन्तर्राष्ट्रीय समुद्री विवादों के समाधान के लिए इंटरनेशनल ट्रिब्यूनल फॉर द लॉ ऑफ द सी में सफ़लतापूर्वक अपनी जगह बना ली है। राष्ट्रीय सुरक्षा क्षेत्र में भारत के रक्षा बल दुश्मन को अपनी भाषा में जवाब देने में सक्षम हैं।

(ग) पकी फ़सल से लहलहाता खेत

मौसम अगर अनुकूल होता है तो फ़सल भी समय पर पककर लहलहाती नज़र आती है। बारिश को वजह से ही धान की फ़सले लहलताही हैं। इन लहलहाते खेत को देखकर किसान

के चेहरे पर प्रसन्नता का भाव साफ़ दिखाई दे जाता है। कृषि विभाग की माने तो इस वर्ष धान आच्छादन हुआ है। बेहतर मौसम होने के कारण अच्छी फ़सल होने की संभावना की जा सकती है। धान के कल्लों से खेत भर आए हैं। इन खेतों में फैली हरियाली के एक-एक तिनके में इन किसानों के जीवन की हँसी झलकती है। ये खेत ही किसान के जीवन की खुशहाली का आधार हैं। जलजमाव वाले खेतों में पहली बारिश से ही धान की फसलों में पानी लग जाता है लेकिन ऊँचाई वाले खेतों में नहीं। फिर भी बारिश की वजह से इन खेतों में नमी विद्यमान रहती है।

(घ) नदी में अचानक पानी का बढ़ना

नदी में अचानक पानी का बढ़ना व्यक्ति को समस्या में डाल देता है। लेकिन यह समस्या भी व्यक्ति के द्वारा ही उत्पन्न हो रही है। आजकल मूर्ति विसर्जन की परम्परा अधिक बढ़ती जा रही है। लोग मूर्तियों को नदी में विसर्जित करते हैं जिसके कारण पानी ऊपरी सतह तक आ जाता है। दूसरा कारण प्राकृतिक आपदा भी हो सकती है। बाढ़ के कारण भी नदी में अचानक पानी का स्तर बढ़ जाता है। जिससे जन-धन को अधिक हानि पहुँचती है। फ़सल, सब्जी, कार, घर इत्यादि सभी जलमग्न हो जाते हैं। यह अत्यन्त ही भयावह स्थिति होती है। इससे किसानों को काफ़ी नुकसान पहुँचता है। कभी-कभी नदी के पानी इतनी उफान पर होता है कि पुल तक टूट जाते है जिससे लोगों को एक जगह से दूसरे स्थान पर पहुँचने में अधिक कठिनाई होती है।

8. **(क)** कहानी और नाटक में बहुत-सी समानताएँ होती है। कहानी और नाटक दोनों में ही कथा होती है। दोनों में ही पात्र होते हैं। इसलिए किसी भी नाटक को तैयार करने के लिए कहानी की आवश्यकता होती है। अपनी सोच या विचार किसी व्यक्ति से सांझा करना कहानी कहलाता है। उसी कहानी में जब कुछ पात्र और संवाद को मिश्रित करके किसी रंगमंच पर श्रोताओं या दर्शकों के समझ प्रस्तुत किया जाता है उसे नाटक कहते हैं।

(ख) सिनेमा और रंगमंच की तरह रेडियो नाटक में विजुअल्स अर्थात् दृश्य नहीं होते। यही सबसे बड़ा अन्तर है। रेडियो पूरी तरह से श्रव्य माध्यम है इसीलिए रेडियो नाटक का लेखन सिनेमा व रंगमंच के लेखन से थोड़ा भिन्न भी है और थोड़ा मुश्किल भी। सब कुछ संवादों और ध्वनि प्रभावों के माध्यम से सम्प्रेषित करना होता है। सहायता के लिए न मंच सज्जा और वस्त्र सज्जा है और न ही अभिनेता के चेहरे की भाव-भंगिमाएँ।

(ग) हाँ नए और अप्रत्याशित विषयों पर लेखन की तकनीक हो सकती है। भाषा के सहारे किसी चीज़ पर विचार करने और उस विचार को व्याकरणिक शुद्धता के साथ सुसंगठित रूप से अभिव्यक्त किया जा सकता है। परम्परागत विषयों को छोड़कर नए विषयों पर लिखने का अभ्यास किया जा सकता हे। विचार प्रवाह में थोड़ा नियंत्रित रखना पड़ता है। इन पर लिखते हुए विषय में व्यक्त वस्तुस्थिति की हम उपेक्षा नहीं कर सकते।

9. **(क)** राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक इत्यादि कई विषयों से जुड़ी हुई खबरें होती हैं। इसलिए संवाददाताओं के बीच काम का विभाजन आमतौर पर उनकी रुचि और ज्ञान को ध्यान में रखते हुए किया जाता है। मीडिया की भाषा में इसे बीट कहते हैं।

बीट रिपोर्टिंग के लिए एक पत्रकार को काफ़ी तैयारी करनी पड़ती है। उदाहरण के लिए जो पत्रकार खेल में रुचि रखते हैं या किसी खास खेल को कवर करते हैं, तो उन्हें पता होना चाहिए कि उस खेल का इतिहास क्या है? वर्तमान में उसे खेल की क्या स्थिति है? इत्यादि।

(ख) यह वे पत्र है जिसमें पाठकों द्वारा समाचार पत्रों के सम्पादकों को सम्बोधित करके लिखा जाता है। इस प्रकार के लेखन में समाचार-पत्र में संपादक के माम एक विशेष कॉलम भी होता है। यह एक प्रकार से विचार-विमर्श का खुला हुआ मन है जिसके माध्यम से व्यक्ति घटनाओं, परिस्थितियों, विचारों इत्यादि जिसके माध्यम से व्यक्ति घटनाओं, परिस्थितियों, विचारों इत्यादि पर अपनी प्रतिक्रिया दे सकता है। उन प्रतिक्रियाओं के प्रति प्रतिक्रिया में पत्र लिखे जाते हैं। जनमत को बनाने और प्रभावित करने का यह सशक्त माध्यम है। सार्वजनिक या व्यक्तिगत समस्या के प्रति ध्यान आकर्षित करने का माध्यम है।

(ग) मीडिया जगत में दृश्य से अभिप्राय देखने से है अर्थात् टेलीविज़न से है। अब संचार की बढ़ती ज़रूरतों को देखते हुए तरह-तरह के संचार माध्यमों का विकास कर लिया गया है। पहले निर्धारित समय पर और एक निश्चित समय के लिए समाचारों का प्रसारण हुआ करता था, अब चौबीसों घण्टे देश दुनिया की खबरों का प्रसारण लगातार दूरदर्शन के चैनलों में चलते रहते हैं। टेलीविज़न के साथ लेखन इसलिए आवश्यक है क्योंकि टेलीविज़न पर विज्ञापन के ज़रिए वस्तु की अधिक जानकारी मिल जाती है। इसके अलावा जनसंख्या नियंत्रण, बाल विवाह के कुप्रभाव, नशे से समाज और मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले प्रभाव इत्यादि सूचनाएँ संचार माध्यमों के ज़रिए प्राप्त होती हैं।

10. **(क)** इस कविता में कवि ने प्रेम की व्यग्रता और जल्दी जाने की चाह को व्यक्त किया है। इस कविता में एक

OSWAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE®

ओर पथिक अपने प्रियजनों से मिलने के जल्दी-जल्दी चलता है, वहीं दूसरी ओर अपने बच्चों के बारे में सोचकर पक्षियों के पंखों में फड़फड़ाहट भर जाती है। पक्षी जल्दी से जल्दी अपने नीड़ की और लौटना चाहता है परन्तु कवि तो अकेला है, उसका कोई इंतज़ार नहीं कर रहा है। इसलिए कवि अपने कदमों में शिथिलता और मन में व्याकुलता लिए हुए है।

(ख) कवि अपनी बात करने के लिए बनावटी भाषा का प्रयोग करने लगा और परिणाम भी वही निकला जिसका कवि को डर था। जैसे पेंच के साथ ज़बरदस्ती करने से उस पेंच की चूड़ियाँ समाप्त हो जाती हैं, उसी प्रकार शब्दों के जाल में उलझकर कवि की बात का प्रभाव नष्ट हो गया और वह बनावटी भाषा जैसी प्रतीत होने लगी।

(ग) कैमरे में अपाहिज को बन्द करने के अनेक कारण हैं। कैमरे में बन्द अपाहिज अपंग व्यक्ति के प्रति करुणा एवं संवेदना दिखाता है परन्तु उसका उद्देश्य अपने कार्यक्रम को लोकप्रिय व बिकाऊ बनाना है। वह उसकी अपंगता को बेचना चाहते हैं। कार्यक्रम को रोचक बनाने के लिए करुणा दिखाते हैं। इसमें व्यावसायिक स्वार्थ क्रूरता एवं बनावटीपन हावी रहता है। सामाजिक यथार्थ एवं मानवीय संवेदना से रहित कार्यक्रम सदैव अरूचिकर लगता है।

11. (क) कवि कहता है कि आकाश में बगुले अपने पंख फैलाए हुए पंक्ति बद्ध होकर बिहार कर रहे हैं। उनमें इतना आकर्षण है कि उन्होंने कवि की आँखों को चुरा लिया है अर्थात् कवि उन्हें टकटकी लगाकर देख रहा है। कवि उस सौन्दर्य को थोड़ी देर के लिए अपने से दूर रोके रखना चाहता है क्योंकि वह उस दृश्य पर मुग्ध हो चुका है।

(ख) कवि बादल का आह्वान करते हुए कहता है कि हे क्रांतिदूत रूपी बादल! तुम आकाश में ऐसे मंडारते रहते हो जैसे पवन रूपी सागर पर कोई नाव तैर रही हो। यह नाव उसी तरह है जिस प्रकार सुख की छाया पर दु:ख की छाया मंडराती है। जिस प्रकार पृथ्वी की सतह पर छिपे अंकुरों की आशा वर्षा होती है उसी प्रकार क्रांति के प्रतीक बादल है जो शोषित वर्ग में नवजीवन की आशा भरते हैं।

(ग) तुलसीदास ने दरिद्रता की तुलना रावण से की है क्योंकि इस दरिद्रता रूपी रावण को जितना दबाया जाएगा, उतना ही यह उभर कर सामने आता है। दरिद्रता रूपी रावण के कारण समाज में पाप अधिक बढ़ गए है। दरिद्रता अर्थात् गरीबी, जिसमें लोग पिस रहे हैं।

12. (क) भक्तिन की तुलना हनुमान जी से ही इसलिए की है क्योंकि हनुमान जी निस्वार्थ भाव से श्री राम की सेवा करते हैं, उसी प्रकार भक्तिन भी निस्वार्थ भाव से लेखिका की सेवा करती है। भक्तिन का वास्तविक नाम लक्ष्मी था लेकिन इसकी सेवा-भाव को देखकर लेखिका ने लक्ष्मी को भक्तिन नाम दिया। लेखिका भक्तिन के साथ सेवक-स्वामी का सम्बन्ध रखती थी बल्कि घर का सदस्य मानती थी।

(ख) 'काले मेघा पानी दे' पाठ में मेढ़क मंडली पर लोगों द्वारा सहेजे गए पानी को फेंकने को पानी की निर्मम बर्बादी इसलिए कहा गया है क्योंकि सूखे में जहाँ लोग प्यासे मरते हैं, वहाँ पानी फेंकना गलत है। लोग बड़ी कठिनता से पीने के बाल्टी भर पानी इकट्ठा करते हैं। उसे इस मेंढक मंडली पर फेंकना पानी की घोर बर्बादी है।

(ग) शिरीष की डालें कमज़ोर होती हैं। शिरीष के फूल को संस्कृत साहित्य में कोमल माना जाता है। इसलिए कालिदास ने लिखा है कि शिरीष के फूल केवल भौंरों के पैरों का दबाव सहन कर सकते हैं, पक्षियों के पैरों का नहीं। लेखक को उन नेताओं की याद आती है जो समय को नहीं पहचानते और धक्का देने पर ही पद छोड़ते हैं। यह अधिकार-लिप्सा वह समय रहते क्यों नहीं छोड़ते?

13. (क) लुट्टन जब पहलवानी करने दंगल में जाता है तब ढोल की ही आवाज़ होती है। उस ढ़ोल की आवाज़ से उसके भीतर साहस उत्पन्न होता है। ढ़ोल ही हर थाप में वह एक निर्देश सुनता है, जो उसे अगला दाँव खेलने के लिए प्रेरित करती है। इसलिए वह ढोल को अपना गुरु मानता है।

(ख) जीजी के लड़के को राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लेने के लिए पुलिस की लाठियाँ खानी पड़ी थीं। उसे बाद से जीजी गाँधी की बात करने लगी थीं। जीजी भी लोक आस्था और त्याग की भावना रखती थीं। जीनी दान देना सर्वोपरि मानती थीं।

(ग) पर्चेज़िंग पॉवर से अभिप्राय है—क्रय शक्ति अर्थात् किसी वस्तु को खरीदने की क्षमता। इसका सकारात्मक उपयोग हम इस प्रकार कर सकते हैं—

(i) सामाजिक विकास के कार्यों में।

(ii) ग्रामिण आर्थिक व्यवस्था को सुदृढ़ करने में।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

खण्ड–'अ'

(अपठित गद्यांश)

6. (i) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—यशोधर बाबू अपने जीवन में कृष्णानंद पांडेय से प्रभावित थे। यह दिल्ली में सरकारी नौकरी करते थे।

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

(iii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—सिन्धु घाटी सभ्यता की संस्कृति को मैदानी संस्कृति श्रेणी में रखेंगे।

(iv) **विकल्प (a) सही है।**

(v) **विकल्प (b) सही है।**

(vi) **विकल्प (d) सही है।**

(vii) **विकल्प (c) सही है।**

(viii) **विकल्प (a) सही है।**

(ix) **विकल्प (b) सही है।**

(x) **विकल्प (a) सही है।**

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

9. **(क)** इंटरनेट के द्वारा व्यक्ति कहीं भी अर्थात् किसी भी स्थान पर सूचना प्राप्त कर सकता है। इंटरनेट दुनिया का सबसे बड़ा कम्प्यूटर नेटवर्क है। प्रत्येक व्यक्ति को यह उसकी डिवाइस की सहायता से आपस में जोड़ता है। इसकी वजह से डिजिटल लेनदेन भी सम्भव हो पाया है। इंटरनेट की लोकप्रियता के कारण निम्नलिखित हैं—

(i) इंटरनेट संचार का सबसे तीव्र गति का माध्यम है।

(ii) इससे किसी भी विषय की तुरन्त जानकारी प्राप्त हो सकती है।

(iii) इसमें सूचनाएँ लगातार अपडेट होती रहती हैं।

(iv) इसके द्वारा दुनिया में किसी और व्यक्ति के साथ संवाद करना भी सम्भव है।

(ख) दो या दो से अधिक व्यक्तियों द्वारा किसी विशेष विषय पर आमने-सामने की गई वार्तालाप को साक्षात्कार कहते हैं। इसमें एक प्रकार की मौखिक प्रश्नावली होती है जिसमें हम किसी भी व्यक्ति के विचारों या उसकी प्रतिक्रियाओं को लिखने की बजाए उसके समक्ष रहकर वार्तालाप करते हैं। लेकिन सामान्य बात-चीत में ऐसा नहीं होता है। सामान्य बात-चीत में अनौपचारिक होकर वार्तालाप होती है।

साक्षात्कार में एक पत्रकार किसी अन्य व्यक्ति से तथ्य उसकी राय और भावनाएँ जानने के लिए सवाल पूछता है। एक सफ़ल साक्षात्कार के लिए साक्षात्कारकर्ता के पास न सिर्फ़ ज्ञान होना चाहिए बल्कि उसमें संवेदनशीलता, कूटनीति, धैर्य और साहस जैसे गुण भी होने चाहिए।

(ग) समाचार के मुखड़े (इंट्रो) यानी पहले पैराग्राफ या शुरुआती दो-तीन पंक्तियों में आमतौर पर तीन या चार ककारों का आधार बनाकर खबर लिखी जाती है। ये चार ककार हैं—क्या, कौन, कब और कहाँ? इसके बाद समाचार की बॉडी में और समापन के पहले बाकी दो ककारों—कैसे और क्यों का जवाब दिया जाता है। इस तरह छह ककारों के आधार पर समाचार तैयार होता है। इनमें से पहले चार ककार-क्या, कौन, कब और कहाँ—सूचनात्मक और तथ्यों पर आधारित होते हैं जबकि बाकी दो ककारों-कैसे और क्यों में विवरणात्मक, व्याख्यात्मक और विश्लेषणात्मक पहलू पर ज़ोर दिया जाता है।

10. **(क)** कवि बताता है कि उसने सदा अपने ही मन की बात मानी है। वे कभी स्वयं के प्रति लापरवाही नहीं करता है। उसने हमेशा वही किया है जो उसके मन ने उससे कहा है लेकिन वह इस दुनिया की परवाह नहीं करता है, इसलिए वह अपने मन का ही गान करता रहता है।

(ख) शरदकालीन सुबह को कवि ने खरगोश की आँखों के समान लाल दिखाया है। शरद साइकिल चलाता हुआ तथा घंटी बजाता हुआ हमें दिखाई देता है। आकाश को कोमल बताकर कवि ने जो कल्पना की है वह अत्यन्त अद्भुत है। खरगोश की आँखें लाल होती हैं उसी प्रकार प्रातः काल का सवेरा भी लालिमा लिए हुए होता है। रंग और चमक की समानता दर्शाने के लिए यहाँ तुलना की गई है।

(ग) किसी के दु:ख को बेचना उचित नहीं है लेकिन कुछ लोग दु:ख, दुरिद्रता को बेचकर यश प्राप्त करना चाहते हैं। एक अपाहिज व्यक्ति के प्रति झूठी सहानुभूति जताते हैं। कवि ने पूरे साक्षात्कार के प्रति व्यावसायिक नज़रिया प्रस्तुत किया है। दूरदर्शन व कार्यक्रम-संचालक को जनता के हित या पीड़ा से कोई मतलब नहीं है। वे कम समय में अपने कार्यक्रम को लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से दु:ख को बेच रहे हैं।

OSWAAL BOOKS LEARNING MADE SIMPLE

Outside Delhi Set-III 2/2/3

खण्ड–'अ'

(अपठित गद्यांश)

6. (i) **विकल्प (a) सही है।**

(ii) **विकल्प (b) सही है।**

व्याख्या—'जूझ' कहानी के नायक के जीवन में संघर्ष की अधिकता इसलिए थी क्योंकि उसे पिता का सहयोग नहीं मिला।

(iii) **विकल्प (d) सही है।**

(iv) **विकल्प (a) सही है।**

व्याख्या—पंत ने आखिरी फ़ाइल का लाल फीता बाँधकर निगाह मेज़ से उठाई तब दफ़्तर की पुरानी दीवार घड़ी पाँच बजकर पच्चीस मिनट बजा रही थी।

(v) **विकल्प (d) सही है।**

(vi) **विकल्प (a) सही है।**

(vii) **विकल्प (c) सही है।**

(viii) **विकल्प (a) सही है।**

(ix) **विकल्प (a) सही है।**

(x) **विकल्प (b) सही है।**

खण्ड–'ब'

(वर्णनात्मक प्रश्न)

9. **(क)** मुद्रित माध्यम के लेखक को इस बात की ध्यान रखना पड़ता है कि छपने से पहले आलेख में मौज़द सभी गलतियों और अशुद्धियों को दूर कर दिया जाए जाकि वह प्रकाशन के बाद उभर कर सामने आए। भाषा सरल, सहज एवं बोधगम्य होनी चाहिए जो पाठक को आसानी से समझ आ सके। मुद्रित माध्यमों के तहत अख़बार, पत्रिकाएँ, पुस्तकें इत्यादि आती हैं। विचारों में प्रवाहमयता एवं तारतम्यता होनी चाहिए। शैली भी अत्यन्त रोचक होनी चाहिए।

(ख) फ़ीचर लेखन में उल्टा पिरामिड-शैली का प्रयोग नहीं होता। फ़ीचर लेखनन की शैली काफ़ी हद तक कथात्मक शैली की तरह है। फ़ीचर लेखन की भाषा समाचारों के विपरीत सरल, रूपात्मक, आकर्षक और मन को छूनेवाली होती है। फ़ीचर की भाषा में समाचारों की सपाटबयानी नहीं चलती लेकिन इसका यह अर्थ नहीं है कि फीचर की भाषा और शैली को आलंकरिक और दुरूह बना दिया जाए। समाचार लेखन में वस्तुनिष्ठता और तथ्यों की शुद्धता पर ज़ोर दिया जाता है यानी समाचार लिखते समय रिपोर्टर उसमें अपने विचार नहीं डाल सकता।

(ग) संपादक संपादकीय पृष्ठ पर अग्रलेख एवं संपादकीय लिखता है। इस पृष्ठ पर सम्पादक का पूरा व्यक्तिव झलकता है। इस पृष्ठ पर सम्पादक युगबोध को जाग्रत करने वाले विचारों को प्रकट करता है। साथ ही इस विषय पर समाज के लोगों का ध्यान आकर्षित करता है। सम्पादकीय पृष्ठ समाचार पत्र की अन्तरात्मा होती है, उसकी आवाज़ होती है। इस लेखन के साथ किसी का नाम इसलिए नहीं दिया जाता क्योंकि इस पृष्ठ पर विभिन्न घटनाओं पर अपनी राय प्रस्तुत की जाती है।

10. **(क)** तुलसीदास ने समकालीन समाज का यथार्थपरक चित्रण किया है। उन्होंने देखा कि उनके समय में बेराज़गारी की समस्या से किसान, भिखारी इत्यादि सभी दु:खी थे। अपनी भूख मिटाने तथा पेट भरने के लिए अनैतिक कार्य कर रहे हैं। पेट की भूख मिटाने के लिए वे लोग अपनी ही सन्तानों तक को बेच रहे हैं। इस प्रकार तुलसीदास ने अपने युग की दुर्दशा का वर्णन किया है।

(ख) इस कविता में कवि ने प्रेम की अधिकता एवं जल्दी घर जाने की इच्छा को व्यक्त किया है।

जहाँ एक ओर पथिक अपनों से मिलने के लिए जल्दी-जल्दी चलता है, वहीं दूसरी तरफ़ पक्षी अपने बच्चों से मिलने के लिए पंख फड़फड़ाकर जल्दी अपनी नीड़ में जाना चाहता है। लेकिन कवि अकेला है। उसे कोई जल्दी नहीं हैं क्योंकि उसका इंतज़ार करने वाला कोई नहीं हैं।

(ग) रघुवीर सहाय जी ने दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले कार्यक्रमों की सच्चाई को प्रस्तुत किया है। मीडिया अपने व्यावसायिक लाभों के लिए कमज़ोर व्यक्तियों का शोषण करती है। अपाहिज व्यक्ति की करुणा को बेच कर कार्यक्रम को एक ही दिन में लोकप्रिय करने का प्रयास किया जा रहा है। मानवीय संवेदना से इस कार्यक्रम का कोई लेना देना नहीं है।

❑❑❑